mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-293 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 अक्टूबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रणजी मैच खेलना...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

तसलीमा नसरीन को मिला भारतीय रेजीडेंस परमिट

- गृह मंत्री अमित शाह से मांगी थी मदद,कहा था- भारत मेरा दूसरा घर है

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन का भारतीय रेजिडेंस परमिट बढ़ा दिया। परमिट मिलने के बाद लेखिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। बांग्लादेशी लेखिका ने 22 अक्टूबर को एक्स पर गृह मंत्री से मदद मांगी थी। उन्होंने लिखा था कि मेरा रेजिडेंस परमिट जुलाई में एक्सपायर हो गया है और गृह मंत्रालय उसे रिन्यू नहीं कर रहा है।

लॉरेंस बिश्नोई ने कराई थी करणी चीफ सुखदेव सिंह की हत्या!

- राज शेखावत के दावे ने फिर मचाई खलबली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पिछले साल जयपुर का सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्याकांड एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। क्षत्रिय करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने इसे लेकर बड़ा

दावा किया है। उन्होंने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर हत्या करवाने का आरोप लगाया है और बिश्नोई के एनकाउंटर पर एक करोड़ से ज्यादा का इनाम भी रखा है। डॉ. राज शेखावत ने एक वीडियो जारी कर गोगामेड़ी को शहीद बताया और कहा कि उनकी हत्या के पीछे लॉरेंस बिश्नोई का हाथ है।

मुंबई में लगे सीएम योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' के पोस्टर

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ एक जनसभा के दौरान दिया गया नारा इस समय सबसे अधिक चर्चा का विषय बना हुआ है। विधानसभा चुनावों के दौरान इस स्लोगन का भारतीय जनता पार्टी बड़े स्तर पर इस्तेमाल करती दिख रही है। दरअसल, विपक्षी दलों की ओर से जातीय गोलबंदी के प्रयासों की काट के तौर पर

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का सहारा लिया जा रहा है। दरअसल, बांग्लादेश में बदले राजनीतिक हालात के बीच अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हुए अत्याचार के मसले पर दिया गया सीएम योगी का बयान महत्वपूर्ण हो गया है। सीएम योगी बयान को पहले हरियाणा में बड़े स्तर पर प्रचारित किया गया। अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मैदान में 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले पोस्टर खासी चर्चा में हैं।

रूस-यूक्रेन जंग केवल बातचीत से रुकेगी, भारत मदद को तैयार

रूस में द्विपक्षीय बातचीत से पहले बोले पीएम मोदी,रूसी राष्ट्रपति से मिले गले

नई दिल्ली/मॉस्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए मंगलावर को रूस के कजान शहर पहुंचे। यहां उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस दौरान पुतिन ने कहा, हमारे संबंध इतने अच्छे हैं कि आप मेरी बात बिना ट्रांसलेटर (अनुवादक) के समझ जाते हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन जंग पर भारत के स्टैंड को कायम रखा। उन्होंने कहा, हर समस्या का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से हो। उन्होंने कहा- भारत का हर प्रयास मानवता के समर्थन में है। हम जल्द से जल्द शांति की बहाली चाहते हैं। पीएम मोदी पिछले 4 महीनों में दूसरी बार रूस गए हैं। इससे पहले जब वे जुलाई में रूस गए थे तो उन्होंने पुतिन को सलाह दी थी कि बम-बंदूकों और गोलियों से शांति संभव नहीं है। इसके बाद वे यूक्रेन दौरे पर भी गए थे। जहां उन्होंने जेलेंस्की से कहा था- मैंने पुतिन से आंख में आंख मिलाकर कहा था कि ये जंग का समय नहीं है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस में सबसे बड़ा आयोजन

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2022 में यूक्रेन में युद्ध की शुरुआत के बाद से रूसी राष्ट्रपति द्वारा आयोजित ये अब तक का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। इस समिट में रूस के अलावा ईरान और चीन जैसे देश हैं, जो अमेरिका को सीधी चुनौती देते रहे हैं। पुतिन ने इसके जरिए पश्चिम को संदेश दिया है कि रूस अलग नहीं पड़ा है। हालांकि पुतिन ने सम्मेलन से पहले इस बात से इनकार किया कि यह समूह पश्चिम विरोधी गठबंधन है।

जबलपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ब्लास्ट,दो की मौत

- 10 से ज्यादा झुलसे, दो की हालत नाजुक

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया में मंगलवार सुबह भीषण ब्लास्ट हो गया। इसमें दो कर्मचारियों की मौत हो गई। 10 से ज्यादा झुलस गए हैं। दो की हालत

नाजुक है। फैक्ट्री प्रबंधन ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ब्लास्ट फैक्ट्री के एफ-6 सेक्शन की बिल्डिंग नंबर 200 में हुआ। फैक्ट्री के जनरल मैनेजर समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। कैंट विधायक अशोक रोहाणी घायलों को देखने के लिए खमरिया स्थित अस्पताल पहुंचे हैं।

घाटी में लश्कर का नया आतंकी संगठन टीएलएम हुआ ऐक्टिव

पुलिस का बड़ा दावा-यह नए आतंकियों की कर रहा है भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को नए आतंकवादी संगठन तहरीक लब्बैक या मुस्लिम (टीएलएम) का खुलासा हुआ है। काउंटर इंटेलीजेंस विंग (सीआईके) और पुलिस ने मंगलवार को श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा में कई लोकेशन पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि टीएलएम बैन आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक अलग ग्रुप है। सूत्रों ने बताया कि टीएलएम आतंकवादियों की भर्ती करने का एक मॉड्यूल है, जिसे पाकिस्तान का हैंडलर बाबा हमास चला रहा था। सीआईके और पुलिस का ऑपरेशन अभी जारी है। टीएलएम के बारे में और ज्यादा जानकारी सामने आएगी। गांदरबल अटैक में एक डॉक्टर समेत 7 मजदूरों की जान गई थी। हमले के

चश्मदीद ने बताया कि 2 आतंकवादी शॉल ओढ़कर आए और मेस में बैठे मजदूरों पर गोली चलाई। अब तक 10 लोकेशन पर छापा मारा गया है। 7 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। 14 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया गया है। कुछ मटेरियल भी जब्त किया गया है। गांदरबल अटैक की जिम्मेदारी टीएलएम ने ली, अब सामने आया कि गांदरबल अटैक की जिम्मेदारी भी लश्कर के ही एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है।

मोदी सरकार में सरपट दौड़ रही देश की अर्थव्यवस्था

एनआरआई भी हुए खुश, 5 महीने में जमा कर दिए 66 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सरपट दौड़ती अर्थव्यवस्था से प्रवासी भारतीय (एनआरआई) भी खुश हैं। शायद यही कारण है कि उन्होंने इस साल भारत में पैसा जमा या निवेश करने का नया रेकॉर्ड बना दिया। इस साल अप्रैल-अगस्त में एनआरआई ने विभिन्न स्कीमों में 7.8 बिलियन डॉलर (करीब 66 हजार करोड़ रुपये) की रकम जमा या निवेश की। यह एक साल पहले समान अवधि की तुलना में दोगुनी है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के अपने नए मंथली बुलेटिन में दी है। पिछले साल की समान अवधि (अप्रैल-अगस्त) में एनआरआई ने 3.7 बिलियन डॉलर की रकम जमा की थी। इस बार जमा रकम में डॉलर और रुपया दोनों में वृद्धि हुई है। एनआरआई ने यह रकम बैंक और निवेश की कई योजनओं में जमा की है। एनआरआई की ओर से जमा रकम में वृद्धि भारतीय

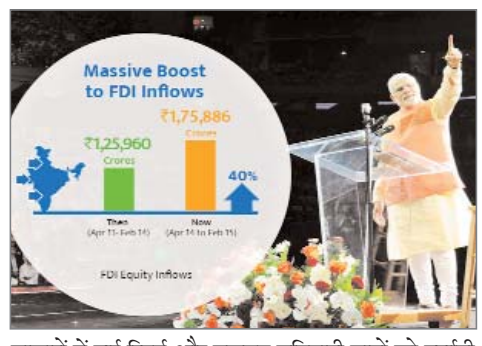

बाजारों में हाई रिटर्न और मजबूत बुनियादी बातों को दर्शाती है। एनआरआई ने 7.8 बिलियन डॉलर की जो रकम जमा की है उसमें से 3.5 बिलियन डॉलर एफसीएनआर (बी) में जमा हुए। यह रकम डॉलर में जमा होती है। वहीं 2.5 बिलियन डॉलर एनआरई (आरए) में जमा हुए। यह रकम रुपये के रूप में जमा की जाती है। एनआरई (आरए) में रकम को निवेशक तब जमा करता है जब उसे भविष्य में रुपये के मजबूत होने की उम्मीद होती है। ऐसा इसलिए ताकि जब वह स्कीम मैच्योर हो जाए तो वह ज्यादा मात्रा में डॉलर घर वापस ले जा सकें। आमतौर पर ऐसी स्कीम एक से पांच साल की अवधि की होती हैं। एनआरआई की ओर से जमा रकम में वृद्धि बताती है कि दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में भारत में स्थिर रिटर्न है। भारत की अर्थव्यवस्था कई दूसरे देशों की तुलना में अपेक्षाकृत मजबूत है। केंद्रीय बैंक की नई मौद्रिक नीति रिपोर्ट बताती है कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रही है।

भारतीय सेना के साथ लद्दाख में गतिरोध खत्म

- बॉर्डर पेट्रोलिंग पर समझौते की चीन ने भी कर दी पुष्टि

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर पेट्रोलिंग को लेकर एक नई सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर बयान जारी किया है। इस बीच चीन ने भी समझौते पर बड़ा बयान दिया है। चीन ने मंगलवार को कहा कि दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों पर एक समाधान पर पहुंच गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अब दोनों पक्ष उन प्रासंगिक मामलों पर एक समाधान पर पहुंच गए

हैं जिनके बारे में चीन बढ़-चढ़कर बात करता है। चीन और भारत के सैनिकों के बीच झड़प जून 2020 में गलवान में हुई थी। सैन्य गतिरोध के बाद भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में खटास आई थी। लेकिन अब दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की वापसी और गश्त व्यवस्था पर सहमत हुए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कजान में मंगलवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक से पहले सोमवार को यह घोषणा की। लिन जियान ने बीजिंग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आगे चलकर चीन इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा। हाल ही में चीन और भारत सीमा से संबंधित मुद्दों पर राजनयिक और सैन्य स्तर के माध्यम से एक दूसरे के संपर्क में हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक पर जियान ने कहा,अगर कुछ भी सामने आता है तो हम आपको अपडेट रखेंगे। भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बन गई है। इससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान होगा और हम अगला कदम उठाएंगे। इसके अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम कह सकते हैं कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से पुरानी प्रक्रिया बहाल हो गई है।

बिहार के अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा

- गिरिराज सिंह की यात्रा में बोले बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह, मचा बवाल

अररिया (एजेंसी)। बिहार में भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अररिया में एक विवादित बयान देकर हंगामा खड़ा कर दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है और लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अररिया में रहना है तो सामाजिक सद्भाव कायम रखना होगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा 21 अक्टूबर को अररिया पहुंची। यहां ठाकुरबाड़ी परिसर में रात में एक सभा का आयोजन था। इसमें केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह और धर्म गुरु दीपांकरजी महाराज सहित भाजपा और हिन्दू संगठन के लोग शामिल हुए थे। इसी सभा में बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह ने हिंदू वाला बयान दिया। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा, खुद को हिंदू बोलने में भला कैसी शर्म। हम तो कहते हैं कि अगर अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा।

वक्फ बिल पर जेपीसी की बैठक में हो गया 'खेला'

जमकर भिड़े बीजेपी-टीएमसी सांसद,कल्याण बनर्जी ने फोड़ी बोतल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में वक्फ बिल पर मंगलवार को हुई जेपीसी की बैठक के दौरान टीएमसी सांसद और बीजेपी सांसद के बीच जमकर बहस हुई। इस दौरान कल्याण बनर्जी ने वहां रखी कांच की पानी की बोतल मेज पर दे मारी। जेपीसी मीटिंग में किए गए अभद्र व्यवहार के लिए सांसद कल्याण बनर्जी को एक दिन के लिए सस्पेंड कर दिया

- टीएमसी सांसद हुए सस्पेंड, अगली बैठक में शामिल होने पर भी रोक

गया है। वे अगली बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके सस्पेंशन के लिए प्रस्ताव रखा था। जिस पर 9-8 से वोटिंग हुई। बोतल फेंकने से कल्याण के अंगूठे और एक उंगली में चोट लगी। जिसके चलते उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए मीटिंग को रोका भी गया था। वक्फ (संशोधन) बिल 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था और विपक्ष की आपत्ति के बीच इसे जेपीसी को सौंपा गया था। कमेटी को अगले संसद सत्र के पहले हफ्ते में अपनी रिपोर्ट लोकसभा को सौंपनी है।

कल्याण अचानक उठकर बोलने लगे तो भाजपा सांसद ने टोका संसद में मंगलवार को भाजपा के जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति रिटायर्ड जजों और वकीलों की एक टीम के विचार सुन रही थी। इसी दौरान विपक्षी सदस्यों ने सवाल किया कि विधेयक में उनकी क्या हिस्सेदारी है। कल्याण बनर्जी अपनी बारी से पहले बोलना चाहते थे। वे पहले ही तीन बार बोल चुके थे और फिर से मौका चाहते थे। लेकिन भाजपा सांसद ने इसका विरोध किया। इसके बाद दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। दोनों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। कल्याण के इस तरह से हस्तक्षेप करने पर टीएमसी सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने उन्हें टोका। इस पर कल्याण ने अचानक बोतल उठाई और पटक दी, जिससे कांच उनके ही हाथ में लग गया। इसके बाद उन्होंने टूटी बोतल चेयरमैन की ओर फेंकी। इसके पहले समिति ने सोमवार को भी बैठक की थी।

बहराइच में झटका, बुलडोजर ऐक्शन पर लगी 'सुप्रीम' रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बहराइच हिंसा के आरोपियों पर कल तक बुलडोजर नहीं चलेगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार को बुधवार तक कार्रवाई ना करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस बीआर गवई ने कहा, 'आप इस अदालत द्वारा पारित आदेशों से अवगत हैं। यदि वे (उत्तर प्रदेश सरकार) इन आदेशों का उल्लंघन करने का जोखिम उठाना चाहते हैं, तो यह उनकी पसंद है।' वैसे हमने ये कहा है कि अगर सार्वजनिक स्थल पर अतिक्रमण है तो मेरे आदेश में वो भी साफ लिखा है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते उत्तर प्रदेश के बहराइच शहर में सांप्रदायिक दंगे हुए थे। हाल ही में अधिकारियों ने कुछ लोगों की इमारतों को गिराने के लिए नोटिस जारी किए थे। इनका नाम दंगों से जुड़ी एक

- एससी ने कहा-आदेशों का उल्लंघन करने का जोखिम उठाना चाहते हैं तो उनकी मर्जी

एफआईआर में आरोपी के तौर पर दर्ज है। उनका आरोप है कि उनकी इमारतें अवैध हैं। उनमें से तीन लोगों ने बुलडोजर एक्शन के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने दलील दी। उन्होंने बेंच के सामने कहा कि यह आवेदन तीन लोगों के द्वारा दायर किया गया है। उनको तीन दिन के अंदर घर गिराने का नोटिस मिला है। राज्य सरकार ने नोटिस का जवाब देने के लिए केवल तीन दिन का समय दिया है। सिंह ने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पिता और भाइयों ने सरेंडर कर दिया है और कथित तौर पर 17 अक्टूबर को नोटिस जारी किए गए और 18 की शाम को चिपकाए गए। उन्होंने कहा कि हमने रविवार को सुनवाई की मांग की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, रेलवे लाइनों पर अतिक्रमण से जुड़े मामले को छोड़कर बिना इजाजत के पूरे देश में तोड़फोड़ पर रोक लगा दी है। 1 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी अधिकारियों द्वारा गैरकानूनी बुलडोजर से की गई तोड़फोड़ को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अब इंडिगो-विस्तारा, एआई की 50 फ्लाइट्स में बम की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में यात्री विमानों को मिल रही धमकी का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को 50 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें इंडिगो, विस्तारा और एअर इंडिया की डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स शामिल हैं। पिछले 8 दिन में अब तक 170 से ज्यादा विमानों को ऐसी धमकी मिल चुकी है। मंगलवार को एयर इंडिया और इंडिगो की 13-13 उड़ानों, अकासा एयर की 12 से अधिक उड़ानों, और विस्तारा की 11 उड़ानों को धमकी मिली। विस्तारा और एअर इंडिया के प्रवक्ताओं ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले सोमवार को कुछ उड़ानों को सोशल मीडिया पर सुरक्षा संबंधी धमकी मिली थी। संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी और सभी प्रोटोकॉल का पालन किया गया। सिविल एविएशन मंत्री राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा था कि धमकियां भले ही फर्जी हैं, लेकिन हम इन्हें हल्के में नहीं ले सकते। हम इसके खिलाफ सख्त कानून लाएंगे। विमानों को धमकी से निपटने के लिए सख्त कानून लाने की तैयारी केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा- ऐसी धमकी देने वालों के नाम 'नो फ्लाई लिस्ट' में शामिल किए जा सकते हैं। सरकार विमानन सुरक्षा नियमों और नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम, 1982 में संशोधन की योजना बना रही है। उन्होंने कहा- नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो इस मुद्दे पर लगातार गृह मंत्रालय के संपर्क में है।

3 राज्यों के 5 स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के दिल्ली के दो और हैदराबाद के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी तीनों स्कूलों के मैनेजमेंट को ईमेल के जरिए भेजी गई थी। इसके अलावा तमिलनाडु के कोयंबटूर के चिन्नावेदमपट्टी और सरवनमपट्टी के दो प्राइवेट स्कूलों को भी बम की धमकियां मिली हैं। मंगलवार सुबह बॉम्ब स्क्वाड की टीमें इन सभी स्कूलों में पहुंची। स्कूलों को खाली कराकर जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इससे पहले दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास 20 अक्टूबर को एक ब्लास्ट हुआ था। हालांकि, इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ था। सिर्फ दुकानें और स्कूल की दीवार डैमेज हुई थी। दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास 20 अक्टूबर को सुबह करीब 7:30 बजे धमाका हुआ था। इसकी जिम्मेदारी खालिस्तानी संगठन ने टेलीग्राम के जरिए ली थी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि स्कूल की दीवार के पास पॉलीथिन बैग में विस्फोटक रखा गया था।

जबलपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ब्लास्ट, दो कर्मचारियों की मौत

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया में मंगलवार सुबह भीषण ब्लास्ट हो गया। इसमें दो कर्मचारियों की मौत हो गई। 10 से ज्यादा झुलस गए हैं। दो की हालत नाजुक है। फैक्ट्री प्रबंधन ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ब्लास्ट फैक्ट्री के एफ-6 सेक्शन की बिल्डिंग नंबर 200 में हुआ। फैक्ट्री के जनरल मैनेजर समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। कैंट विधायक अशोक रोहाणी घायलों को देखने के लिए खमरिया स्थित अस्पताल पहुंचे। हादसे में एलेक्जेंडर टोप्पो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि रणवीर कुमार की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। बताया जा रहा है कि एलेक्जेंडर टोप्पो का शव सेक्शन के आसपास 9 हिस्सों में मिला है।

प्रदेश में संचालित 12,670 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केन्द्रों में उन्नयन का निर्णयः मुयमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में वर्तमान में संचालित 12 हजार 670 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केन्द्र में उन्नयन किये जाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों में एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का प्रावधान है। निर्णय अनुसार इन मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन के बाद एक पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एक पद आंगनवाड़ी सहायिका का होगा। उन्नयित 25 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर एक पर्यवेक्षक के मान से कुल 476 पर्यवेक्षक के पद स्वीकृत किये गये। केन्द्र सरकार के निर्धारित मापदण्ड उन्नयित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर लागू होंगे। मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केन्द्रों में उन्नयन किए जाने पर केन्द्रांश राशि रूपये 3401.90 लाख एवं राज्यांश राशि 17945.82 लाख होगा। इस प्रकार कुल राशि रूपये 21347.71 लाख अतिरिक्त वार्षिक व्यय भार आयेगा। मंत्रि-परिषद् द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य अंतर्गत बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (संशोधित 2019) की धारा 4 एवं 6 के तहत प्रदेश के 55 जिलों में लागू किया गया है। योजना का उद्देश्य 18 वर्ष तक लैंगिक अपराध से पीड़ितों को के अंतर्गत संरक्षण एवं भारत सरकार के निर्भया फण्ड से वितीय सहायता प्रदान करना एवं उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना है। निर्भया फण्ड से प्रत्येक जिले को 10 लाख रूपये आवंटित किये जायेंगे। लैंगिक अपराध से पीड़ितों को सहायता के लिए जिले आवश्यकता के अनुसार राशि का उपयोग कर सकेंगे। मंत्रि-परिषद ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में स्वीकृत कुल 454 स्वास्थ्य संस्थाओं में कुल 6388 नवीन पदों (5936 नियमित एवं 452 संविदा) के सृजन की स्वीकृति दी।

इसके अतिरिक्त 1589 आउट सोर्सिंग एजेन्सी से कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति भी दी गई।

पेट्रोलिंग समझौता, आर्मी चीफ बोले- भरोसा जमने में वक्त लगेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पेट्रोलिंग समझौते के बाद मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपना सीमा विवाद मिलकर सुलझाएंगे। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को इस समझौते को अच्छा कदम बताया। उन्होंने कहा- सबसे पहले दोनों देशों को दोबारा विश्वास पैदा करना होगा। इसके लिए सैनिकों का एक-दूसरे को देखना और बातचीत करना जरूरी है। पेट्रोलिंग के जरिए इसके लिए सही माहौल मिलेगा। भारत और चीन ने एक दिन पहले 21 अक्टूबर को पेट्रोलिंग पर सहमति जताई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत और चीन में सीमा पर पेट्रोलिंग सिस्टम को लेकर समझौता हुआ है। इससे मई, 2020 (गलवान टकराव) से पहले की स्थिति वापस आएगी।

यह सकारात्मक है। आर्मी चीफ बोले- बफर जोन मैनेजमेंट, डी-एस्केलेशन जरूरी भारत और चीन के बीच समझौता होने के बाद आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, हम दोबारा भरोसा हासिल करने की प्रोसेस में हैं। इसमें वक्त लगेगा। सेनाओं का पीछे हटना, बफर जोन मैनेजमेंट भी इसके लिए अहम है। हम भरोसा कैसे पैदा करेंगे? जब हम एक-दूसरे को सुन सकेंगे और एक-दूसरे को संतुष्ट कर सकेंगे। हम यह भरोसा जता पाएंगे कि जो बफर जोन बनाए गए हैं, हम उसमें जाएंगे। पेट्रोलिंग से आपको ये प्रोसेस करने में आसानी होगी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, सीट शेयरिंग पर एमवीए की मीटिंग आज

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट मंगलवार घोषित की जाएगी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महीने भर से भी कम दिन का समय बचा है, लेकिन महाविकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के बीच सीट शेयरिंग फाइनल नहीं हुआ है। तीनों दलों के नेताओं की बैठक मंगलवार को मुंबई में होगी।

मीटिंग से पहले कांग्रेस नेता बाला साहेब थोर्राट शरद पवार के बंगले पहुंचे। दरअसल, सोमवार को शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा था कि एमवीए में 288 विधानसभा सीटों में से 210 पर सहमति बन गई है। वहीं महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि कांग्रेस के

कोटे वाली 96 सीटों पर बातचीत फाइनल है। कुछ सीटों पर पेंच है, उस पर सहमति के बाद आज सीट शेयरिंग फाइनल हो जाएगी। दरअसल, सीट शेयरिंग अब तक फाइनल नहीं होने पर टीवी चैनलों ने उद्धव के अकेले चुनाव लड़ने की खबर चलाई। एक चर्चा यह भी चली कि अमित शाह ने कुछ दिन पहले संजय राउत से फोन पर बात की है। भाजपा और उद्धव ठाकरे एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि इन रिपोर्ट्स को राउत ने गलत बताया।

उन्होंने कहा- भाजपा को हार का डर है, इसलिए गलत खबरें फैलाई जा रही हैं। भाजपा ने शिवसेना तोड़ी, उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई।

लॉरेंस का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को देंगे 1.11 करोड़

जयपुर (एजेंसी)। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत ने लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए का नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है। राज शेखावत ने गुजरात से वीडियो जारी कर यह घोषणा की। राज शेखावत ने कहा- मुझे सिर्फ इतना पता है कि हमारे परम आदरणीय सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई ने कराई थी। ऐसे में जो पुलिसकर्मी लॉरेंस का एनकाउंटर करेगा। उस पुलिसकर्मी को करणी सेना की तरफ से इनाम के तौर पर एक करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए दिए जाएंगे। हमें सुरक्षित और भय मुक्त भारत चाहिए। उन्होंने एनकाउंटर करने

वाले पुलिसकर्मी के परिवार की सुरक्षा का दायित्व लेने की बात भी कही है। इस मामले पर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत ने कहा- राज सिंह शेखावत ने लॉरेंस के एनकाउंटर को लेकर जो बयान दिया गया है। वह उनका निजी पक्ष है। विधिक प्रक्रिया के तहत एनकाउंटर या इस तरह की कोई घटना नहीं हो सकती, जिसकी उन्होंने मांग की है। हम सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के विचारों पर काम करते हैं। हम लोग अन्य के खिलाफ लड़ते हैं। न कि इस तरह लड़ाई लड़ें। हालांकि करणी सेना के कुछ कार्यकर्ताओं के मन में क्या हो। इस बारे में तो मैं भी ज्यादा नहीं कह सकती हूं। हमें न्याय मिलेगा। मुझे पूरा विश्वास है, इसलिए हम न्याय का इंतजार कर रहे हैं। शीला शेखावत ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना थी। वहीं, राज सिंह शेखावत ने क्षत्रिय करणी सेना बनाई है। दोनों करणी सेना अलग-अलग हैं। हम राज सिंह शेखावत के किसी भी बयान का समर्थन नहीं करते हैं।

कोलकाता रेप केस, पीड़ित के पिता का शाह को मेल

कोलकाता (एजेंसी)। 9 अगस्त की सुबह आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की बॉडी मिली थी। रेप के बाद उसका मर्डर किया गया था। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की पीड़ित डॉक्टर के माता-पिता ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मेल किया। पीड़ित के पिता ने लिखा- मैं अभया का पिता हूं, आपकी सुविधा के मुताबिक, आपके सुझाव के मुताबिक किसी जगह स्थान पर मिलने का अनुरोध करता हूं। हमारी बेटी के साथ हुई जघन्य घटना के बाद से हम बहुत अधिक मानसिक दबाव और असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि मैं और मेरी पत्नी आपसे मिलकर स्थिति के बारे में कुछ बातें करना चाहते हैं। आपसे मार्गदर्शन और मदद की प्रार्थना करना चाहते हैं। क्योंकि मुझे विश्वास है कि आपका अनुभव और मार्गदर्शन अमूल्य होगा। इस मुलाकात के लिए आप हमारे लिए कुछ मिनट निकालें। कृपया मुझे बताएं कि आप हमारे लिए कब और कहां कुछ मिनट निकाल सकते हैं। फिर हम खुद को तैयार रख सकते हैं। मैं आपके समय और इस अनुरोध पर विचार करने के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं और आपकी अनुकूल प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहा हूं। मैं आपसे मिलने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं। गृह मंत्री को बताऊंगी- हम किस मानसिक पीड़ा से गुजर रहे बात करते हुए पीड़ित की मां ने कहा- हमें केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात का समय मिलने की पूरी उम्मीद है। मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे न्याय पाने के लिए मार्गदर्शन करने का अनुरोध करूंगी। मैं उन्हें बताऊंगी कि हम किस मानसिक पीड़ा से गुजर रहे हैं, क्योंकि हमारी बेटी को अभी तक न्याय नहीं मिला है। 17वें दिन खत्म हुई जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल कोलकाता में महिला डॉक्टर्स से रेप और उसकी हत्या के विरोध में जारी जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल सोमवार (21 अक्टूबर) को खत्म हुई।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर का नया आतंकी संगठन टीएलएम एक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएलएम ने श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पुलवामा समेत जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को नए आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक या मुस्लिम का खुलासा हुआ है। काउंटर इंटेलिजेंस विंग और पुलिस ने मंगलवार को श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा में कई लोकेशन पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि टीएलएम बैन आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक अलग ग्रुप है। भास्कर को सूत्रों ने बताया कि टीएलएम आतंकवादियों की भर्ती करने का एक मॉड्यूल है, जिसे पाकिस्तान का हैंडलर बाबा हमास चला रहा है।

टीएलएम और पुलिस का ऑपरेशन अभी जारी है। टीएलएम के

बारे में और ज्यादा जानकारी सामने आएगी। गांदरबल अटैक में एक डॉक्टर समेत 7 मजदूरों की जान गई थी। हमले के चश्मदीद ने बताया कि 2 आतंकवादी शॉल ओढ़कर आए और मेस में बैठे मजदूरों पर गोली चलाई। टीएलएम ऑपरेशन में अब तक क्या मिला अब तक 10 लोकेशन पर छापा मारा गया है। 7 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। 14 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया गया है।

गुजरात के गांधीनगर में नकली जज पकड़ा गया

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में एक शख्स ने फर्जी ट्रिब्यूनल बनाया। खुद को उसका जज बताया और गांधीनगर में बने अपने ऑफिस में असली अदालत जैसा माहौल बनाते हुए फैसले भी सुनाए। आरोपी का नाम मॉरिस सैमुअल है। बतौर ऑर्बिट्रेटर (मध्यस्थ) नकली जज मॉरिस ने अरबों रुपए की करीब 100 एकड़ सरकारी जमीन अपने नाम कर ऑर्डर पारित किए। हैरानी की बात यह है कि यह फर्जी कोर्ट पिछले पांच साल से चल रहा था। अहमदाबाद पुलिस ने मॉरिस को नकली जज बनकर लोगों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथी वकील बनकर खड़े होते, ताकि कार्रवाई असली लगे मॉरिस उन लोगों को फंसाता था, जिनके जमीनी विवाद के केस शहर के सिविल कोर्ट में पेंडिंग थे। वह अपने मुवक्किलों से उनके मामले को सुलझाने के लिए फीस के तौर पर कुछ पैसा लेता था। मॉरिस खुद को कोर्ट से नियुक्त

किया गया आधिकारिक मध्यस्थ बताता था। वह अपने मुवक्किलों को गांधीनगर के अपने ऑफिस में बुलाता था, जिसे अदालत की तरह डिजाइन किया गया था। मॉरिस केस से जुड़ी दलीलें सुनता और ट्रिब्यूनल के अधिकारी के रूप में आदेश पारित करता था। इतना ही नहीं, उसके साथी अदालत के कर्मचारी या वकील के रूप में खड़े होकर यह दिखाते थे कि कार्रवाई असली है। इस तरकीब से आरोपी मॉरिस 11 से ज्यादा मामलों में अपने पक्ष में ऑर्डर पारित कर चुका था। असली कोर्ट के रजिस्ट्रार ने पकड़ा नकली जज 2019 में आरोपी ने इसी तरह अपने मुवक्किल के पक्ष में एक आदेश पारित किया था। मामला जिला कलेक्टर के अधीन एक सरकारी जमीन से जुड़ा था। उसके मुवक्किल ने इस पर दावा किया और पालडी इलाके की जमीन के लिए सरकारी दस्तावेजों में अपना नाम दर्ज करवाने की कोशिश की। मॉरिस ने कहा कि उसे सरकार ने मध्यस्थ बनाया है। इसके बाद ठग ने फर्जी अदालती कार्रवाई शुरू की, अपने मुवक्किल के पक्ष में एक आदेश दिया, जिसमें कलेक्टर को उस जमीन के दस्तावेजों में मुवक्किल का नाम दर्ज करने का निर्देश दिया गया। आदेश को लागू करने के लिए मॉरिस ने दूसरे वकील के जरिए सिविल कोर्ट में अपील की। इसमें वही आदेश अटैच किया जो उसने जारी किया था।

साइलोन दाना 25 अटूबर को ओडिशा-बंगाल से टकराएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठने वाला समुद्री तूफान दाना 25 अक्टूबर को ओडिशा और पश्चिम बंगाल से टकराएगा। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सबसे ज्यादा असर ओडिशा पर पड़ेगा। हालांकि, इसका असर अन्य राज्यों में भी पड़ेगा।

तूफान आने से पहले ही कर्नाटक और तमिलनाडु के कई इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव क्षेत्र मंगलवार सुबह डीप डिप्रेशन में बदल गया।

इसके बाद यह पश्चिम बंगाल की तरफ बढ़ रहा है। बुधवार तक यह साइक्लोन (चक्रवाती तूफान) में बदल जाएगा। ढ्ढरूष्ठ

के मुताबिक, इस दौरान हवा की रफ्तार 110 से 120 किमी प्रति घंटा तक हो सकती हैं।

आईएमडी ने मंगलवार को दक्षिण भारत के तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, पुडुचेरी और पूर्वी भारत के ओडिशा, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में पांच दिन तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र में भारी बारिश के साथ 30 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। पुडुचेरी में बिजली गिरने की आशंका है।

बेंगलुरु में भारी बारिश से बिल्डिंग ढही, 14 बचाए गए, 1 की मौतः भारी बारिश की वजह से बेंगलुरु के बाबूसापल्या में एक अंडरकंस्ट्रक्शन बिल्डिंग ढह गई। पुलिस कमिश्नर (पूर्वी बेंगलुरु) डी देवराज ने बताया- करीब 20 लोग फंस गए थे। एक का शव बरामद किया गया है और 14 मजदूरों को बचा लिया गया है। वहीं, पांच अभी भी लापता हैं।

बारिश के बाद फिर से रेत का अवैध खनन शुरू

बड़े पैमाने पर माफिया सक्रिय, खुलेआम दर्जनों की संख्या में लग रहे ट्रैक्टर्स

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। बारिश का मौसम समाप्त होते ही जिले में एक बार फिर खनन माफिया सक्रिय हो गए हैं। जिले के आसपास के क्षेत्र में चंबल की तर्ज में रेत का खनन हो रहा है। जो तस्वीर नदियों की घाट से निकलकर बाहर आ रहीं हैं। वह हैरान करने वाली हैं। तस्वीरों में दर्जनों की झुंड में मजदूर नदी के बीच से रेत निकलकर ट्रैक्टरों में लोड कर रहे हैं। इन तस्वीरों को देखकर ऐसा लगता हैं कि पुलिस और खनिज विभाग ने इन्हें खुली छूट दे दी है। दिनदहाड़े इतने बड़े पैमाने में रेत का खनन करना माफियाओं के लिए मुमकिन नहीं है। मामला मुख्यालय से लगे मुड़ना नदी का है, जहां से रेत का अवैध खनन कर परिवहन किया जा रहा है। कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने अवैध खनन और परिवहन का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। जो अब ट्रेंड हो रहा है।

दो जिलों की सीमा में है नदी: खनन माफिया दो जिलों की सीमा का फायदा उठा रहे हैं। बलवई में मुड़ना नदी दो जिलों की सीमा तय करती है। पहली ओर शहडोल जिले के थाना सोहागपुर की सीमा लगती है, तो दूसरी ओर उमरिया जिले के पाली थाने की सीमा लगने की वजह से माफिया दिनदहाड़े यह अवैध उत्खनन कर परिवहन कर रहे हैं।

हर दिन निकलती 100 से ज्यादा ट्रैक्टर रेत: स्थानीय लोगों के अनुसार यहां दिन में 100 से अधिक ट्रैक्टर में रेत निकाली जाती है। बताया गया कि दिन रात मिलाकर 400 से अधिक ट्रैक्टर यहां से अवैध रेत लेकर आसपास के क्षेत्र में इसे बेच देते हैं। दोनों जिलों में अवैध रेत की सप्लाई यहां से की जा रही है। पुलिस और खनिज की मिली भगत से इन अवैध रेत से भरे ट्रैक्टरों को रोक नहीं जाता। जिसकी वजह से दिन प्रतिदिन यह काला कारोबार बढ़ता जा रहा है।

किसानों की फसल भी चौपट कर रहे माफिया: स्थानीय लोगों का कहना है कि माफिया नदी से खनन कर उनके खेतों से रेत से भरे ट्रैक्टरों का परिवहन कर रहे हैं। विरोध करने पर माफियाओं ने उन्हें डराया धमकाया जाता है कि अगर तुमने इस मामले की कही शिकायत की तो तुम्हें जान से मार देंगे। कई बार तो इस मामले की पुलिस से भी लोगों ने शिकायत की है लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं करती ऐसा लोगों का आरोप है।

मिलकर कार्रवाई करेंगे: सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि समय-समय पर अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर पकड़े गए हैं। अगर ऐसा हो रहा है तो कार्रवाई की जाएगी। दो जिलों की सीमा के चक्कर में माफिया फायदा उठाते हैं। अगर शहडोल की पुलिस पहुंचती है तो वह उमरिया की ओर भाग जाते हैं, जिन्हें पकड़ना मुमकिन नहीं होता। अब मिलकर कार्रवाई करेंगे।

टीम बनाकर करेंगे कार्रवाई: घुनघुटी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक भूपेंद्र पंत से जब इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमें जब भी जानकारी लगती है। हम कार्रवाई करते हैं। ज्यादा संख्या में खनन होने पर टीम बनाकर कार्रवाई करेंगे।

अस्पताल निजीकरण के विरोध में रोको ठोको क्रांतिकारी मोर्चा ने किया सत्याग्रह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अस्पताल बचावा जिउ बचाव सत्याग्रह!" में आए ग्रामीणों के समक्ष अपनी बात रखते हुए टोंको-रोंको-ठोंको क्रन्तिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी ने कहा कि जिला अस्पताल के निजीकरण का राज्य सरकार का कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को कमजोर करने की दिशा मे एक बड़ा कदम होगा और यह जनता को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं से दूर करेनें में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जिला अस्पताल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का एक प्रमुख केंद्र होता है। जिले में सरकार कि प्राथमिकता प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की होना चाहिए न कि जिला अस्पताल को निजी हाथों में सौपने की। सीधी जिले में उपस्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आबादी की तुलना और मानकों के अनुसार कम है, इसलिए इन संस्थानो कि उपलब्धता बढ़ाना और मौजूदा संस्थानों को मजबूत करना आज की प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस के खिलाड़ियों का हुआ संभागीय जूडो टूर्नामेंट में चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सिंगरौली जिले बैढ़न के प्रधानमंत्री कॉलेज आफएक्सीलेंस शासकीय राज नारायण स्मृति महाविद्यालय में 15 अक्टूबर को आयोजित जिला स्तर पुरुष और महिला जूडो प्रतियोगिता में सीधी जिले के बच्चों का चयन हुआ था जिसमें सीधी जिले के तीन बालक और तीन बालिकाओं का संभागीय स्तर में चयन हुआ। बालक वर्ग में 60 किलोग्राम में प्रियंचाल सिंह चौहान, 100 किलोग्राम शिवम चौहान व गौरव रैकवार का और बालिका वर्ग में 57 किलोग्राम में रिया द्विवेदी, 63 किलोग्राम में आयुषी मिश्रा, 70 किलोग्राम भार वर्ग में श्रद्धा कुशवाहा का संभागीय स्तर जूडो प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। सभी चयनित खिलाड़ी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में आयोजित जूडो प्रतियोगिता में सीधी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इन सभी खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय परिवारातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह, क्रीड़ा अधिकारी डॉ रविंद्र सिंह व महाविद्यालय परिवार ने सभी खिलाड़ियों को आगे होने वाले प्रतियोगिताओं के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

जीवन के नैतिक मूल्य एवं शिष्टाचार विषय पर हुई संगोष्ठी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत " जीवन के नैतिक मूल्य एवं शिष्टाचार " विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की सुरुआत माँ सरस्वती पूजा अर्चना के साथ कि गई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक श्री धर्म किशोर मिश्रा जी ऊपस्थित थे । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा बुजुर्गों की सलाह ले कर अपने जीवन के नैतिक मूल्यों में सुधार कर सकते है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक श्री राम प्रसाद तिवारी जी ऊपस्थित थे उन्होंने छात्रों से कहा कि अगर आप अनुशासित रहते है तो निश्चित रूप से आप आगे चलकर सफल होंगे इसके साथ ही शिक्षा पर बघेली कविता प्रस्तुत की । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ऊपस्थित श्री धीरज नामदेव ने स्व अनुशासन पर जोर देते हुये समय के सदुपयोग की बात कही । आमंत्रित वक्ता के रूप में शिक्षक श्री के.के.मिश्रा जी ऊपस्थित थे आपने रामचरित मानस की चौपाइयों के माध्यम से अपनी बात कही साथ ही छात्रों को अपना नैतिक आचरण उच्च रखने की बात कही । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वरिष्ठ विद्वान डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने की इस अवसर पर उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण में नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं ।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ ज्योति रजक ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार की डॉ संगीता मिश्रा डॉ निशा सिंह डॉ अमिता खरे डॉ कमलेश जायसवाल डॉ पंकज मिश्रा डॉ अनुराग तिवारी डॉ राजेश पटेल डॉ लक्ष्मीकांत कुशवाहा डॉ कमलेश जायसवाल श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्रा ऊपस्थित थे।

हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार, पुराने विवाद के चलते किया था कत्ल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले की अलीपुरा पुलिस ने मंगलवार को हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लाठी और कुल्हाड़ी भी जब्त की गई है। बता दें कि आरोपी दिब्बू उर्फ देवेंद्र रैकवार पर पहले से मारपीट और अवैध हथियार रखने को लेकर मामला दर्ज है। पुलिस ने मंगलवार शाम आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार 20 अक्टूबर की सुबह 6 बजे बडागांव में सड़क पर एक सर कटी लाश की सूचना मिली थी। जिस पर तत्काल ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। एफएसएल की टीम ने घटना स्थल से फिंगर प्रिंट लिए। साथ ही साक्ष्य एकत्र किए।

उसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया। मृतक की पहचान गांव के विशाल सिंह सेंगर (54) निवासी बड़ागांव के रूप में हुई। इसके बाद मामले में मृतक के परिजनों ने अलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

आरोपियों ने हत्या की बात मानी: मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मंगलवार को बडागांव निवासी तीन आरोपी दिब्बू उर्फ देवेन्द्र रैकवार (35) पिता छोटेलाल रैकवार, पप्पू कोरी (45) पिता जग्गू कोरी, लक्ष्मी प्रसाद उर्फ खचोड़ी कुशवाहा (32) पिता हरदयाल कुशवाहा को गिरफ्तार किया। जिसके बाद आरोपियों से पूछताछ की गई। जिसमें हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद: आरोपियों ने बताया कि मृतक से आरोपी दिब्बू उर्फ देवेन्द्र रैकवार की पुराना झगड़ा था। इसको लेकर वो विशाल को जान मारने की फिराक में था। जिसको लेकर उसने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर विशाल की हत्या की प्लानिंग की। वहीं, 19 अक्टूबर की रात को विशाल को घेरकर मारपीट की और धारदार हथियार से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में एआई पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु परीक्षा कार्यक्रम घोषित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी परिवारातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में आई. आई. टी. नई दिल्ली के सहयोग से संचालित होने वाले दो सर्टिफिक्रेट पाठ्यक्रम ए आई एवं ए आई विद फिनटेक में प्रवेश हेतु परीक्षा (एप्टीट्यूड टेस्ट) का कार्यक्रम घोषित किया जा चुका है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार यह परीक्षा दिनांक 05.11.2024 को प्रातः 10:30 पर महाविद्यालय में निर्धारित कक्षों में आवंटित रोल नंबर के अनुसार संचालित की जायेगी। यह परीक्षा टिक मार्क पद्धति पर आधारित है अर्थात् परीक्षार्थी को उत्तर शीट में नीले पेन से सही का निशान लगाना हैं। परीक्षा की अवधि 1 घंटे की होगी। सभी परीक्षार्थी निर्धारित समय से आधा घंटा पूर्व परीक्षा स्थल में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। सभी परीक्षार्थी पहचान पत्र कें रूप में महाविद्यालय द्वारा जारी आईडी कार्ड/आधार कार्ड/डाईविंग लाईसेंस/वोटर कार्ड/पेन कार्ड दस्तावेज अपने साथ लेकर जरूर आए। परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा कक्ष में नीले बाल प्वाइंट पेन के साथ एक आईडी कार्ड के अतिक्ति किसी भी प्रकार की सामग्री लेकर जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। छात्रों को आवंटित रोल नं. की सूची महाविद्यालय के सूचना पटल एवं महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है जिसमें अपना अनुक्रमांक अवलोकित कर निर्धारित कक्ष में परीक्षा हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करे।

शादी से मना किया तो प्रेमी की हत्या कर दी

फिर पति के कहने पर शव को कुएं में फेंक दिया, दोनों आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली में एक महिला ने रस्सी से गला घोंट कर प्रेमी की हत्या कर दी। फिर पति के कहने पर कुएं में शव फेंक दिया।

सिंगरौली जिले के चितरंगी पुलिस ने चार दिन पहले हुए इस हत्याकांड का मंगलवार को खुलासा किया है। थाना प्रभारी सुरेंद्र यादव ने बताया कि 18 अक्टूबर को सूचना आई थी कि ओडागी गांव में राम लखन कोल के कुएं में शव पड़ा हुआ है। पुलिस और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। जांच के दौरान गीता देवी पति फूल कुमार कोल (24 वर्ष) पर संदेह हुआ। उससे पूछताछ की गई तो महिला ने बताया कि रामकुमार कोल से उसका प्रेम संबंध था।

14 अक्टूबर को रामकुमार उसके घर आया। उसी दौरान महिला ने उस पर शादी का दबाव बनाया, जिस पर रामकुमार ने परिवार के विरोध का हवाला देकर मना कर दिया। इसी बात से गुसाई महिला ने सोते समय रामकुमार कोल की पहले रस्सी से गला घोंट कर हत्या कर दी। फिर भोपाल में रह रहे अपने पति को फोन पर जानकारी दी, जिसके बाद पति ने बताया कि शव को कुएं में फेंक दो और मोबाइल तोड़ दो। महिला ने पति के बताए अनुसार शव को कुएं में फेंक दिया और मोबाइल को तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या की आरोपी महिला को और हत्या में सहयोग करने के लिए उसके पति फूल कुमार कोल को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के खुलासे में थाना प्रभारी सुरेंद्र यादव, सहायक उपनिरीक्षक उमेश तिवारी, मनीष सेन, प्रधान आरक्षक लक्ष्मीकांत मिश्रा, आरक्षक भैयालाल यादव, नंदलाल यादव, आशीष पाल, सुदर्शन चौहान, शिवकुमार पटेल, जितेंद्र तिवारी, सुभाष पाल, नूर आलम, महिला आरक्षक मांगी सोलंकी और बुद्ध सिंह यादव की भूमिका रही।

जवा में सेवादल प्रशिक्षण की तैयारी बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। ब्लॉक कांग्रेस जवा एवं ब्लॉक कांग्रेस डभौरा के संयुक्त आयोजकत्व में पूर्व मंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल के मुख्य अतिथि में कांग्रेस सेवादल के प्राथमिक प्रशिक्षण कैंप की तैयारी बैठक मिजाजी सिंह के आवास पर संपन्न हुई कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस जवा अध्यक्ष धनेंद्र द्विवेदी ने की बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेंद्र पांडे उपस्थित रहे सर्वप्रथम मुख्य अतिथि पटेल ने सेवादल प्रशिक्षण के विचार को विस्तार से चर्चा करते हुए देश के वर्तमान समय में केंद्र की सरकार द्वारा समाज को बांटने का झूठ फैला कर प्रयास किया जा रहा है जबकि असल मुद्दों स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी की चर्चा तक नहीं की जाती ऐसे में प्रशिक्षित युवक तैयार करना आवश्यक है ताकि सत्ता के लोगों से सवाल कर सके समाज में इनकी असलियत बता सकें बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेंद्र पांडे, शिव बालक पांडे, भूपेंद्र सिंह, देवेंद्र मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डभौरा अरुण सिंह (पिंटू) एवं आभार प्रदर्शन धनेंद्र द्विवेदी ने किया इस अवसर पर गुमान सिंह, शशि भूषण मिश्रा, लाखन सिंह, मिजाजी सिंह, रामनरेश साहू, धनेंद्र पांडे नत्थू, राम प्रभाव विश्वकर्मा, अमरनाथ पटेल, सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम सामूहिक कन्या विवाह

4 नवंबर तक निकाह में भाग लेने वाले पात्र हितग्राही करा सकेंगे पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। नगर पालिका निगम सिंगरौली के उपायुक्त आरपी बैस ने मंगलवार को बताया कि राज्य शासन की ओर से सीएम कन्या विवाह और निकाह योजना के तहत सामूहिक रूप से आयोजित विवाह, निकाह कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारित की गई है। जिसके तहत 18 नवंबर 2024 को नगरीय क्षेत्र अंतर्गत आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह निकाह में भाग लेने के लिए पात्र हितग्राही 4 नवंबर 2024 दिन सोमवार तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस तरह से 9 दिसम्बर 2024 दिन सोमवार आयोजित सामूहिक विवाह निकाह कार्यक्रम के लिए हितग्राही 25 नवंबर 2024 तक पंजीयन कर सकते हैं।

उपायुक्त आरपी बैस ने बताया कि 3 जनवरी 2025 को आयोजित सामूहिक विवाह निकाह योजना का लाभ लेने के हितग्राही 20 दिसम्बर 2024 तक आवेदन कर सकते। इस प्रकार 6 फरवरी 2024 को आयोजित सामूहिक विवाह निकाह कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हितग्राही 23 जनवरी 2025 तक आवेदन कर सकते। उन्होंने बताया कि 7 मार्च 2025 दिन शुक्रवार को आयोजित सामूहिक विवाह निकाह के लिए पंजीयन 24 फरवरी 2025 तक किया जाएगा।

नगरीय क्षेत्र में रहने वाले पात्र हितग्राहियों से अपील है कि तय तारीख में आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीयन के लिए निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नही किया जायेगा।

जिला अस्पताल में नहीं हो रही डिलिवरी

पार्षद ने सीएमएचओ और कलेक्टर से की शिकायत, बोले- गर्भवतियों को कर रहे रेफर

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर का जिला चिकित्सालय एक बार फिर सुर्खियों में है।यहां गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी न कर ज्यादातर महिलाओं को जिला चिकित्सालय से शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जाता है। अनूपपुर के वार्ड नंबर 2 के पार्षद अपने वार्ड की एक गर्भवती महिला को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लेकर गए थे लेकिन डॉक्टर ने डिलीवरी न कर उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

मंगलवार को नगर पालिका अनूपपुर के अंतर्गत वार्ड नंबर 2 के पार्षद संजय चौधरी ने मुख्य शिक्षा स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत की। उन्होंने बताया कि मेरे वार्ड का निवासी हीरा चौधरी ने अपनी पत्नी सीमा चौधरी (22) को 21 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय में रात 8 बजे एडमिट किया था। जिला चिकित्सालय के डॉक्टर और स्टाफ ने 2 घंटे परेशान किया और भ्रमित जानकारी दी।

डॉक्टर ने कहा- बच्चा मां के पेट का गंदा पानी पी गया: साथ ही यह बोला गया कि बच्चा मां के पेट का गंदा पानी पी गया है। बच्चा खतरे में है और यहां पर डिलीवरी नहीं हो सकती है, इसे शहडोल ले जाओ। परिवार प्राइवेट अस्पताल ले जाने में सक्षम नहीं था। परिजन गर्भवती महिला को शहडोल मेडिकल कॉलेज लेकर गए। जहां रात 11 महिला की सामान्य डिलीवरी हो गई।

पार्षद संजय चौधरी ने आरोप लगाए की जिला चिकित्सालय में गर्भवती महिलाओं के साथ अभद्रता की जाती है। नॉर्मल डिलीवरी न कर उन्हें परेशान किया जाता है और अधिकांश गर्भवती महिलाओं को शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जाता है।

वहीं इस पूरे मामले पर मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी एके अवधिया ने कहा कि मुझे अभी यह जानकारी नहीं है कि रात में कौन से डॉक्टर ड्यूटी पर थे और किन वजह से गर्भवती महिला को रेफर किया गया था। डॉक्टर का पक्ष जानने के बाद ही मैं आपको जानकारी दे पाऊंगा।

जेएनवी चुरहट में एनसीसी शिविर का गरिमामय शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जेएनवी चुरहट में 3 एमपी बटालियन एनसीसी के तत्वाधान में 19 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2024 तक संचालित होने वाले 10 दिवसीय कैंप का शुभारंभ कमान अधिकारी संदीप जसपाल द्वारा किया गया, जिसमें रीवा, सीधी, सिंगरौली व मऊगंज जिले के लगभग 19 संस्थाओं के 380 कैडेट द्वारा सहभागिता की जा रही है। कैम्प में 3 एमपी बटालियन के प्रशिक्षकों द्वारा सैन्य विषयों में एवं सहयोगी एनसीसी अधिकारियों द्वारा सामान्य विषयों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि कैडेट्स में एकता एवं अनुशासन के साथ सेना को नजदीक से जानने एवं उनकी दिनचर्या को जीने का अवसर प्राप्त हो सके।

इस कैंप में सेना के उपयोग आने वाले विषयों जैसे मैप रीडिंग, हथियार प्रशिक्षण, ड्रिल शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा एवं कैडेट्स के सर्वांगीण विकास हेतु समस्त जीवन कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को कैडेट्स के रूप में अच्छे जीवन मूल्य वाले नागरिक तैयार करना है। साथ ही अग्नि वीर योजना में भाग लेने हेतु प्रतिभागियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उक्त शिविर के उद्घाटन सत्र में कमान अधिकारी द्वारा एनसीसी शिविर के उद्देश्य एवं कैडेट्स के लिए कैंप की आवश्यकता की सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सहयोगी एनसीसी अधिकारियों एवं पीआई स्टाफ की सहभागिता रही। इस कैंप के सफल संचालन में जेएनवी प्राचार्य चुरहट विपिन शुक्ला का विशेष सहयोग रहा है।

विचार

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है।

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले?

कमलेश पांडे

लीजिए, जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार %खूनी होते जा रहे लोकतंत्र% और इसको %संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र% के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र यों नहीं मिला है?

आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है! उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए। मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था। सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्?मू-कश्?मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्?दुल्?ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क?या था? क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्?मू-कश्?मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है? यदि ऐसा है तो यह बेहद खौफनाक है। मेरा स्पष्ट मानना है कि घाटी के विकास को परवान चढ़ा रहे मजदूरों को निशाना बनाकर आतंकियों ने बड़ी कायरता और मूर्खता का परिचय दिया है।

सवाल है कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद यह पहला ऐसा मौका है जब विकास की परियोजना पर आतंकियों ने सीधे हमला किया है। जिस टनल के लिए यह मजदूर काम कर रहे थे वो भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है। इस साल कश्मीर में टीआरएफ का ये पहला बड़ा हमला है। इससे पहले इस साल जम्मू में इस संगठन ने आतंकी हमले को अंजाम दिया। भले ही केंद्रीय गृह सचिव ने इस आतंकी हमले की जानकारी जम्मू कश्मीर डीजीपी से ली और आतंकियों के खिलाफ चल रहे काउंटर ऑपरेशन का भी ब्योरा लिया।

जानकारों का कहना है कि इस साल जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए हैं, वह जम्मू में हुए हैं। लेकिन यह पहली बार है जब कश्मीर में इस साल इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। वहीं, पहली बार ऐसा हुआ है कि स्थानीय (लोकल) और बाहरी (नॉन लोकल) दोनों को टारगेट किया गया है। इससे साफ है कि विकास परियोजनाओं में शामिल लोगों के हौसले को पस्त करने की खौफनाक रणनीति अब आतंकी संगठन भी अपना रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। क्योंकि गांदरबल में जिस टनल के पास यह आतंकी हमला हुआ है, वह आल वेदर रोड है, जिसका निर्माण पिछले कुछ सालों से चल रहा है। यह रोड़ सीधे गांदेरबल से सोनमर्ग और वहां से लेह को कनेक्ट करता है। एक सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार के गठन के महज चार दिनों के बाद ही आतंकवादियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ही विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में इतना बड़ा आतंकी हमला क्यों बोला है और इसके जरिए आतंकियों ने क्या संदेश देने की जुर्रत की है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के ऐलान और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के मात्र चार दिनों के अंदर आतंकियों ने गांदरबल में आतंकी हमला बोला है। जहां उन्होंने गुंड इलाके में सुरंग के निर्माण पर काम कर रही एक निजी कंपनी के लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। दरअसल, यह आतंकी हमला सियासी रूप से भी काफी अहम है। क्योंकि जिस इलाके में यह हमला हुआ है, वह सीएम उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल के अधीन आता है और यहां से उमर अब्दुल्ला ने जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने बहुमत हासिल कर सरकार का गठन किया है। क्या 370 की बहाली पर चुप्पी साधकर और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलवाए जानें की सीएम उमर की रणनीति से आतंकवादी नाखुश हैं, क्योंकि जम्मूकश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने के उमर कैबिनेट के प्रस्ताव को अब स्न की मंजूरी का इंतजार है, जो देर-सबेर मिल ही जाएगी। समझा जा रहा है कि चूंकि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन के बाद उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात कर रहे हैं। उन्होंने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का वादा किया है। वो जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों को साथ लेकर चलने की बात कर रहे हैं। साथ ही वह कश्मीर से विस्थापित हुए पंडितों की बात कर रहे हैं। इसलिए आतंकी आका उनको इस नई चाल से परेशान हैं। जम्मू कश्मीर की सरकार के गठन के बाद कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव भी पारित किया है और उसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी भी दे दी है। इस तरह से पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अब इस पर केंद्र सरकार को फैसला लेना है और लोकसभा और राज्यसभा में संशोधन विधेयक लाकर इसको अमलीजामा पहनाना बाकी है। केंद्र सरकार पहले ही पूर्ण राज्य के दर्जे की बात कह चुकी है। वहीं, उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर में शांति-अमल और विकास की बात कर रहे हैं, जिससे आतंकी बखौलाए हुए हैं। पहले जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुए और लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया है, और अब सरकार भी बन गई है, इससे आतंकियों के मंसूबे ध्वस्त होते दिख रहे हैं और आतंकी इसी बौखलाहट में ताजा हमला किया है। उनकी मंशा साफ है कि वे सिर्फ दहशत पैदा करना चाहते हैं। इसलिए इस हमले की सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि वह पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

भ्रष्टाचार से कांग्रेस ने सबक नहीं सीखने की ठान ली!

योगेंद्र योगी

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाएं हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आंवटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक द्वारा आवंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खड़गे की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को ज़मीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे राहुल एम खड़गे को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आवंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ए.ए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एन आर एच एम के विरूद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया

था। इसी तरह वीरभद्र सिंह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने थे से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई, जो नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और क़ौमी आवाज़ नामक तीन अखबारों का संचालन करती थी। एक अप्रैल 2008 को सभी अखबार बंद हो गए. इसके बाद कांग्रेस ने 26 फरवरी 2011 को इसकी 90 करोड़ रुपये की देनदारियों को अपने जिम्मे ले लिया था। मतलब पार्टी ने इसे 90 करोड़ का लोन दे दिया। इसके बाद 5 लाख रुपये से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई, जिसमें सोनिया और राहुल की 38-38 फीसदी हिस्सेदारी है। बाद में घालमेल कर यंग इंडियन के कब्जे में एजेएल कंपनी को कर दिया गया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने 90 करोड़ का लोन भी माफ कर दिया। यानी यंग इंडियन को एक प्रकार से मुफ्त में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी का मालिकाना हक मिल गया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर में एक संपत्ति की खरीद में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.9 मिलियन पाउंड (17 करोड़ से अधिक) है। इस मामले की जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। इसके अलावा हरियाणा में हुड्डा की कांग्रेस सरकार के दौरान वाड्रा-डीएलएफ लैंड डील का बड़ा घोटाला उजागर हुआ था। रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने गुडगांव के मानेसर-शिकोहपुर में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपये में करीब 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। हुड्डा सरकार ने वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को इस जमीन पर आवासीय परियोजना विकसित करने की स्वीकृति दी थी। मुश्किल से चार महीने में 700 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा वाड्रा की कंपनी को होता है, वहीं 2012 में हुड्डा सरकार कॉलोनी बनाने वाले लाइसेंस को डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोपों की फेहरिस्त काफी लंबी है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने कभी भी भ्रष्टाचार को जड़ से उखाडने का वादा नहीं किया।

थाने में यूट्यूबर-पुलिस दोनों बनाने लगे वीडियों

लॉकअप से फेसबुक लाइव आया, बोला-पुलिस जबरन उठाकर लाई, देर रात दुकान खोलने पर हुई थी बहस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। रायपुर के टिकरापारा पुलिस थाने में सोमवार की रात जमकर हंगामा हुआ है। एक यूट्यूबर की देर रात दुकान खुले होने से जब पुलिस ने टोका तो उसने बहस शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस यूट्यूबर को थाने लेकर आई और लॉकअप में बंद कर दिया। घर वाले और दोस्त थाने पहुंचे तो यूट्यूबर ने लॉकअप से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। फेसबुक लाइव आकर यूट्यूबर छत्तीसगढ़ी में कहता हुआ दिखाई दे रहा है कि पुलिसवाले उसे जबरदस्ती पकड़कर लाए है और मारपीट की है।

पुलिस ने भी बनाने लगी वीडियोः यूट्यूबर को वीडियो बनाता देख पुलिस भी थाने में सभी का वीडियो बनाने लगी। पूरा मामला रात साढ़े 11 बजे के आसपास का है। टिकरापारा के मठपुरैना के आसपास यूट्यूबर रवि शर्मा की पानी बॉटल और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकान है।

20 अक्टूबर को बजरंग चौक के आस-पास रहने वाले मोहल्लेवासियों ने पुलिस को शिकायत दी थी कि यहां देवार डेरा के आसपास देर रात तक पान ठेला खुले रहते हैं। जिससे असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

पुलिस ने देर रात दुकान खुला रहने के लिए टोकाः मोहल्लेवासियों की शिकायत के बाद पुलिस दुकानें बंद करवाने पहुंची थी। इस दौरान पेट्रोलिंग स्टाफ के साथ रवि शर्मा दुकान बंद करने की बात पर बहस हो गई। शर्मा का आरोप है कि पुलिस स्टाफ ने उसके साथ बदसलूकी की और फिर उन्हें थाने में लाकर बंद कर दिया। वह विरोध करता रहा लेकिन किसी ने फरियाद नहीं सुनी।

पुलिस ने कहा-बदसलूकी की बात गलतः इस मामले में टिकरापारा थाना प्रभारी मनोज साहू ने बताया कि पेट्रोलिंग स्टाफ को उच्चाधिकारियों से निर्देश है कि 11 बजे के बाद दुकान बंद करवा दी जाए। उस इलाके में देर रात दुकान खुली होने की शिकायत आई थी, जिसे बंद करवाने के लिए स्टाफ गए हुए थे। इस दौरान रवि शर्मा नाम के युवक बहस करने लगा। जिसे समझाइश देने के लिए थाने लाया गया। कुछ देर बाद उसे घर भी भेज दिया गया। बदसलूकी की बात पूरी तरह गलत है।

थाने के अंदर बनता रहा वीडियोः इस घटना के बीच रवि शर्मा देर रात फेसबुक में लाइव आकर लॉकअप के अंदर से वीडियो बनाने लगा। जिसमें वह लॉकअप के अंदर की स्थिति और अपने साथ हुए घटना के बारे में जिक्र कर रहा है। जिसमें वह कह रहा है कि उसके साथ दुर्व्यवहार हुआ है। इस वीडियो के कमेंट्स सेक्शन में लोग रवि शर्मा का सपोर्ट करते दिख रहे हैं। साथ ही कुछ लोग पुलिस को गलत ठहरा रहे हैं। इस बवाल के बीच थाने में मौजूद पुलिस कर्मचारियों ने उसे शांत कराया लेकिन बात नही मानने पर उन्होंने ने भी हंगामें का वीडियो बनाने लगे। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में युवक पर कोई भी लीगल एक्शन नहीं लिया है।

खड़े ट्रेलर से टकराया कोयले से भरा ट्रेलर

खलासी की मौत, केबिन को काटकर निकाला गया शव, 6 महीने बाद थी शादी

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कोयला लोड ट्रेलर खड़ी ट्रेलर से टकरा गया। एक ट्रेलर के खलासी के कोयला में दबने से मौत हो गई। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया हैं। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी हैं।

जानकारी के मुताबिक सोमवार की रात करीब 12 बजे एक कोयला लोड ट्रेलर का चालक अनितेश लाखा डनसेना ढाबा के पास ट्रेलर को खड़ी कर दिशा मैदान के लिए गया था। इस दौरान ट्रेलर के केबिन में झारखंड पलामू के ग्राम लक्ष्मीपुर का रहने वाला खलासी दीपक कुमार पासवान (27) बैठा था।

टक्कर के बाद केबिन में गिरा कोयलाः इस दौरान घरघोड़ा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही ट्रेलर के ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सामने से खड़ी ट्रेलर को ठोकर मार दिया। ऐसे में ट्रेलर अनियंत्रित हो गई ओर उसमें लोड कोयला खड़ी ट्रेलर के केबिन में गिर गया। इससे केबिन में बैठा दीपक पासवान कोयले में दब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

केबिन को काटकर शव को बाहर निकालाः पुलिस ने बताया कि ट्रेलर की टक्कर से खड़ी ट्रेलर के सामने का हिस्सा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कोयला में दबे खलासी को निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन उसे निकालने में काफी परेशानी हो रही थी, तो केबिन को किसी तरह काटकर पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। बताया जा रहा हैं कि आरोपी घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया।

मृतक की छह माह बाद शादी थीः बताया जा रहा है कि मृतक दीपक पासवान का 6 माह बाद झारखंड में शादी होनी थी और वह छठ त्योहार में अपने घर जाने वाला था। उससे पहले इस घटना में उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरे ट्रेलर का ड्राइवर और खलासी दोनों भाग गए। फिलहाल, शव का पंचनामा पोस्टमॉर्टम कर आगे की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

2 दिन बाद मिला दूसरे युवक का शव

हसदेव नदी में नहाने के दौरान बह गए थे 2 दोस्त, बर्थडे मनाने पहुंचे थे

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में देवरी पिकनिक स्पॉट में बर्थडे पार्टी मानने गए दो युवक हसदेव नदी में बह गए थे। एक युवक लिखेश पटेल (22) का शव 25 घंटे बाद एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किया था। वहीं दूसरे युवक सुखेंद्र बरेठ (22) की लाश दो दिन बाद मिली हैं। घटना पंतोरा चौकी थाना क्षेत्र की है। पंतोरा पुलिस ने बताया कि हसदेव नदी में बहे दूसरे युवक सुखेंद्र बरेठ का शव एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार सुबह करीब 7-7.15 बजे बरामद किया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

बर्थडे सेलिब्रेट करने 12 दोस्तों के साथ आया थाः रविवार की दोपहर 2 बजे ग्राम कापन निवासी सुखेंद्र बरेठ (22) अपने 12 दोस्तों के साथ बर्थडे मनाने के लिए देवरी पहुंचा था। इस दौरान साथी लिखेश पटेल (22 के साथ वह नदी में नहाने के लिए उतरा। दोनों ही नदी के तेज बहाव में बह गए।

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, जीजा-साले की मौत

करवा चौथ पर पत्नी को लेने आया था ससुराल, देवी दर्शन कर लौटते समय हादसा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में सोमवार को तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे जीजा-साले की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, मध्यप्रदेश के जैतपुर निवासी युवक करवा चौथ मनाने और अपनी पत्नी को लेने ससुराल आया था। महामाया देवी दर्शन कर लौटते समय हादसा हो गया। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। इससे एक दिन पहले दो अलग-अलग हादसों में 3 लोगों की मौत हो गई थी। इस तरह पिछले दो दिन के भीतर पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

करवा चौथ पर ससुराल आया था युवकः जानकारी के अनुसार, एमपी के जैतपुर के रूपउला निवासी दिलीप सिंह (26) का रतनपुर में ससुराल है। करवा चौथ पर उसकी पत्नी ससुराल रतनपुर के करैहापारा आई थी। वो पत्नी के साथ करवा चौथ मनाकर उसे लेने के लिए आया था। सोमवार को वो अपने बड़े साला बृजभान प्रधान (40) के साथ महामाया देवी दर्शन करने के लिए मंदिर गया था।

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, जीजा-साले की मौतः बृजभान और दिलीप देवी दर्शन करने के बाद बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। मेन रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद दोनों घायलों को रतनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

मातम में बदली खुशियांः एक दिन पहले ही उसकी पत्नी ने अखंड सुहाग की कामना करते हुए करवा चौथ व्रत रखी थी। लेकिन, उसे क्या पता था कि पर्व के दूसरे ही दिन उसका पति उसे छोड़कर हमेशा के लिए चला जाएगा। हादसे में पति और भाई की मौत के बाद उसके साथ ही परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दो दिन के भीतर पांच की मौतः जिले में लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। एक दिन पहले ही दो अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई थी। पचपेड़ी क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे युवक और बुजुर्ग की मौत हो गई थी।

वहीं, रतनपुर में ही तेज रफ्तार ट्रेलर ने बिजली खंभा और ट्रांसफार्मर को टक्कर मारते हुए बुजुर्ग महिला को चपेट में ले लिया, जिससे महिला की मौत हो गई। वहीं, सोमवार को ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की जान चली गई।

सवारी बनकर महिला का पर्स किया पार

नागपुर की महिला चोर गैंग दीपावली-त्योहारों में बना रही शिकार, किराना दुकान में पकड़ाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में ऑटो में सवारी बनकर महिलाओं के पर्स और गहने को टारगेट करने वाली 2 महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिलाएं नागपुर के चोर गैंग की है।

यह इसी पैटर्न में अक्सर वारदातों का अंजाम देती है। इस बार भी इन्होंने एक महिला के पर्स को पार किया, लेकिन पुलिस ने फरार होने से पहले ही पकड़ लिया। दीपावली-त्योहारों में भी लोगों को टारगेट बना रहे हैं।

अनीता देवांगन ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि, वह टिकरापारा से ऑटो में बैठकर अपने घर अश्विनी नगर आ रही थी। इस दौरान ऑटो में दो पुरुष बैठे हुए थे। लिली चौक के पास दो महिलाएं भी आकर ऑटो में बैठ गई। उन दोनों महिलाओं को लाखे नगर में उतरना था। लेकिन वह अश्विनी नगर तक गई। फिर वह उतर कर चली गई।

पर्स में रखे पैसे भी मिलेः तभी अनीता देवांगन ने जब अपना बैग चेक किया तो उसमें से रुपए वाला पर्स गायब था। उन्होंने आसपास के दुकानों में महिलाओं की खोजबीन की। तो वे दोनों पास के ही किराना दुकान में खड़ी थी। अनीता ने फौरन पुलिस को सूचना दी।

इसके बाद पुलिस ने नागपुर के कन्हान इलाके की रहने वाली हीराबाई खन्ना गायकवाड और केसर कैलाश को गिरफ्तार कर लिया है। महिलाओं के पास से 5 हजार से भरा पर्स भी मिल गया है।

सड़क पर उतरीं महिलाओं ने कलेक्ट्रेट घेरा

नाबालिग लड़की के हत्यारे को फांसी दी जाए, अपराधियों में नहीं है पुलिस का डर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में नाबालिग लड़की की हत्यारे सागर साहू के खिलाफ आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को इसके विरोध में मोहल्ले की महिलाएं सड़क पर उतर गईं। कलेक्ट्रेट का घेराव कर जमकर हंगामा किया। उनकी मांग है कि हत्यारे को फांसी की सजा दी जाए।

उन्होंने कहा कि, मोहल्ले में पुलिस का डर नहीं है। जिसके चलते अपराधियों का हौसला बढ़ गया। आए दिन चाकूबाजी और लूटपाट जैसी घटनाएं हो रही है।

घर में घुसकर की थी हत्याः दरअसल, सरकंडा के चिंगराजपारा कुंदरूबाड़ी निवासी प्रियंका उर्फ अंकिता देवांगन की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। दिनदहाड़े घर घुसकर युवक के हमला करने से मोहल्ले में काफी आक्रोश है। उनका कहना है कि, अब शहर में बेटियां घर पर भी सुरक्षित नहीं है। वो बेटियों को घर में न छोड़ें तो कहां लेकर जाएं।

200 से अधिक महिलाओं ने घेरा कलेक्ट्रेटः सोमवार को 200 से अधिक महिलाओं के साथ लोगों ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर दिया। उन्होंने जिला प्रशासन के अफसरों को बताया कि सरकंडा क्षेत्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। आए दिन आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। लचर कानून व्यवस्था को सुधारने और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

अपराधियों के चलते दहशत में हैं लोगः मोहल्लेवासियों का कहना है कि, इलाके में लूटपाट, चाकूबाजी और हत्या जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। यह हत्या क्षेत्र में चौथी बड़ी घटना है। जिससे स्थानीय जनता में दहशत का माहौल है। असामाजिक तत्व खुलेआम अपराध करते हैं और साक्ष्य या गवाहों के अभाव में आसानी से बच निकलते हैं।

बस पलटी, 2 यात्रियों का टूटा पैर

10 लोगों की आई चोटें, देवभोग से रायपुर जा रही थी यात्री बस

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नेशनल हाइवे-130सी पर मंगलवार को यात्री बस सड़क हादसे का शिकार हो गई। घने कोहरे की वजह से बस इंदागांव के पास पथरी नाले में पलट गई। हादसे में 10 लोगों की चोटें आई है। जिसमें से 2 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, महेश ट्रेवल्स की बस देवभोग से रायपुर जा रही थी। बस में 20 यात्री सवार थे। जिनमें से 10 लोगों को चोटें आई है।

दो यात्री का पैर टूट गया है। बता दें कि, इंदागांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग लंबित है। नजदीक में कोई भी स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। इसलिए घायलों को मैनपुर लाया गया। जहां इलाज चल रहा है।

नदी किनारे मिला नवजात बच्ची का शव

ग्रामीणों ने की दोषियों पर कार्रवाई की मांग, पुलिस बोली- जल्द गिरफ्त में होंगे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के बरकई गांव में नदी किनारे नवजात का शव मिला है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फरसगांव थाने में दी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और नवजात के शव को बरामद किया।

ग्रामीणों का कहना है कि किसी ने नवजात को गर्भ में मारकर यहां फेंक दिया। ग्रामीणों ने दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस बोली- जल्द गिरफ्त में होंगे आरोपीः थाना प्रभारी संजय शिंदे ने कहा कि नदी किनारे मिला नवजात का शव लड़की का था। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। ये अवैध संबंध का परिणाम है या लड़की होने की वजह से भ्रूण हत्या की गई है यह जांच का विषय है। आरोपी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पत्रकारों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

रिपोर्टिंग के दौरान कबाड़ी और उसके साथियों ने की मारपीट, 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भिलाई निप्र। भिलाई के कचांदुर और ढोर के बीच सोमवार को हुए सड़क हादसे की कवरेज करने गए 3 पत्रकारों और उनके कार चालक से मारपीट की गई है। स्थानीय कबाड़ व्यापारी और उसके साथियों ने उन्हें बुरी तरह पीटा। जीवरा सिरसा पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी पुरषोत्तम कुमार ने बताया कि, एक ट्रक चालक ने बाइक सवार चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इसके बाद लोगों ने वहां चक्काजाम कर बवाल किया था।

हादसे को कवरेज करने गए थेः जिसके बाद कवरेज करने गए रायपुर से एक टीवी चैन के पत्रकार अनमोल तिवारी, दुर्गेश साहू और उनकी कार का चालक कुलदीप गनवर भी पहुंचा था। वो लोग सोमवार शाम करीब 4 बजे दुर्घटना स्थल पर जाकर न्यूज कवर कर रहे थे। इसी दौरान पेशे से कबाड़ का व्यापारी और आदतन बदमाश राजू मांडले, दामेन दास मानिकपुरी और बघेल शराब के नशे में पहुंच गए।

दामेनदास मानिकपुरी ने उनसे कहा कि, उनकी रिकार्डिंग करो। इस पर चालक गनवर ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। इसके बाद मानिकपुरी गनवर से गाली-गलौज कर हाथ-मुक्के से मारपीट की। यह देख अनमोल और दुर्गेश उन्हें मना करने पहुंचे। इस पर राजू, मानिकपुर और बघेल सहित अन्य ने मिलकर तीनों को बुरी तरह मारा।

वहां से वो लोग किसी तरह जान बचाकर भागे। इसके बाद चौकी जेवरा सिरसा में आकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद एसपी और सीएसपी दुर्ग ने मामले पर संज्ञान लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शाम तक उन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा।

जान बचाकर खेत में छिपते हुए भागे पत्रकारः पत्रकारों पर हमला करने वाले आरोपी इतने नशे में थे कि, उन लोगों ने उन्हें जान से मारने का प्रयास किया। उन लोगों ने चाकू निकाला और तीनों को रस्सी से बांधकर जान से मारने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान तीन पत्रकारों ने अपने आपको उनसे छुड़वाया और वहां भाग खड़े हुए। वो लोग अपनी जान बचाने के लिए धान और सब्जी के खेत में छिप गए। अपने साथियों को फोन कर पुलिस को बुलवाया।

उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां के जानकारी अनुसार सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत फुनगा विकासखण्ड खड़गवां (आईडी क्रमांक-532004027) का संचालन किये जाने में ग्राम पंचायत फुनगा सरपंच/सचिव असमर्थ है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आबंटन किया जाना हैं। जिसकी सूचना प्राप्त है। इस हेतु आदिम जाति सहकारी समिति, बहुउद्देशीय सहकारी समिति, महिला स्वयं सहायता समूह, वन सुरक्षा समिति एवं अन्य समितियों से आवेदन आमंत्रित कर नियमानुसार आबंटन की कार्यवाही किया जाना है। अतः उपरोक्त संबंधितों से 23 अक्टूबर से 14 नवम्बर 2024 तक कार्यालयीन समय तक पंजीयन प्रमाण पत्र, पासबुक की छायाप्रति एवं अन्य सम्यक दस्तावेज सहित आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है।

राज्यपाल से उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल इस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज जो मध्यप्रदेश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक है, इस वर्ष अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हीरक जयंती समारोह मना रहा है। 1964 में स्थापित, रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज ने विंध्य क्षेत्र के तकनीकी शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कॉलेज के पूर्व छात्र आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख पदों पर कार्यरत हैं, जिनमें रक्षा क्षेत्र (सेना, वायुसेना, नौसेना और डीआरडीओ), तेल और गैस क्षेत्र (ओएनजीसी, आईओसी आदि), परमाणु ऊर्जा (बार्क, एनपीसीआईएल), विद्युत क्षेत्र (एनटीपीसी, एनएचपीसी), निर्माण क्षेत्र (भेल, सेल), और शासकीय सेवाओं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, आईईएस) सहित निजी क्षेत्रों के प्रतिष्ठान शामिल हैं। हीरक जयंती समारोह का मुख्य कार्यक्रम 8 से 10 नवंबर 2024 तक आयोजित होगा। यह समारोह कॉलेज के 60 वर्षों की समृद्ध यात्रा और उपलब्धियों का उत्सव होगा, जिसमें अनेक पूर्व छात्र और गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

अन्य राज्यों की अच्छी प्रथाओं और नवाचारों को मध्य प्रदेश में भी किया जाये लागू -मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देशानुसार, अन्य राज्यों में निर्माण क्षेत्र में अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेस का अध्ययन करने के लिए विभाग द्वारा तेलंगाना और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (हृ्रढ्ढ) गए दलों ने लौटकर मंत्री श्री सिंह के समक्ष नवाचारों और अनुभवों पर आधारित एक प्रस्तुतीकरण दिया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि वहां से प्राप्त अच्छी प्रथाओं और नवाचारों को मध्य प्रदेश में भी लागू किया जाना चाहिए, जिससे प्रदेश के निर्माण कार्यों में और सुधार हो सके। इस दौरान एसीएस श्री के.सी. गुप्ता, ईएनसी श्री आर.के मेहरा सहित दलों के सदस्य उपस्थित रहे। तेलंगाना गए दल ने बैठक में अपने अनुभव साझा करते हुए सुझाव दिया कि क्वालिटी कंट्रोल को फील्ड स्तर तक विस्तार दिया जाए और इसके लिए जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय की जाए। उन्होंने 2 करोड़ रुपये से अधिक के डामर कार्यों में बैच मिक्स प्लांट को अनिवार्य करने के साथ डामर की खरीद केवल अर्धशासकीय संस्थानों जैसे आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल से की जानी चाहिए, और इस शर्त को निविदा प्रपत्र में जोड़ने की सिफारिश की। 1 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों में तकनीकी परीक्षण (क्क्त) को लागू करना अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता की जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों को दी जानी चाहिए, प्लानिंग और डिजाइन का कार्य निजी कंसल्टेंसी द्वारा कराया जाए एवं इसमें भी विभागीय इंजीनियर्स की सहभागिता पूर्ण जबाबदेही के साथ सुनिश्चित की जाए। सड़कों की मोटाई जांचने के लिए सभी सर्किल लैब्स के लिए डिजिटल डेंसिटी मशीन का क्रय भी किया जाए और हर डिवीजन में एक प्रयोगशाला स्थापित की जाए।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्ययन दल ने ड्रोन एनालिटिक्स मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग करने की सिफारिश की। यह आधुनिक प्रणाली ड्रोन के माध्यम से मार्ग की पूरी लंबाई का सर्वेक्षण करती है, जिससे कार्य की प्रगति की तुलनात्मक समीक्षा की जा सकती है। छ्वस्- के उपयोग से निर्माण कार्य की गति और गुणवत्ता की निगरानी अधिक सटीक और प्रभावी ढंग से हो सकेगी।

कलेक्टर ने जिला किसान संघ के साथ की बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र सिंह ने आज जिला किसान संघ के साथ बैठक की। उन्होंने किसानों को समय पर उर्वरक और बीज उपलब्ध कराने की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इसकी जानकारी किसानों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि खाद वितरण प्रक्रिया में टोकन व्यवस्था को सुचारू रखा जाए ताकि किसानों को अनावश्यक इंतजार का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही, उन्होंने किसान संघ को बताया कि डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके और यूरिया के उपयोग के लिए किसानों को जागरूक किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि एनपीके भी डीएपी के समान गुणवत्तापूर्ण है। बैठक में नक्शा संबंधी समस्याएं, धारा 250 के तहत रास्तों के सीमांकन, कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, किसान पाठशाला का आयोजन और अनुदान योजनाओं से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ऋतुराज सिंह, एडीएम श्री प्रकाश नायक, एसडीएम श्री आदित्य जैन, जिला किसान संघ के अध्यक्ष गिरवर सिंह राजपूत और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुशीनगर एक्सप्रेस में नो रूम, कई ट्रेनों में 50 से अधिक वेटिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। आरक्षित टिकट काउंटर में भी यात्रियों की लंबी कतार लग रही है। सबसे अधिक वेटिंग बिहार, यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात सहित अन्य क्षेत्रों के प्रांतों की ओर जाने वाली ट्रेनों में है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग आ रही है। यह वेटिंग लिस्ट नवंबर के दूसरे सप्ताह तक जारी रहेगी। नवंबर के पहले सप्ताह में दीपावली तो इसके बाद छठ पर्व आएगा। इसके चलते सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट आ रही है। भोपाल से पटना जाने वाली कई ट्रेनों नो रूम बता रहा है। वहीं रायपुर जाने वाली ट्रेनों में लगभग 100 वेटिंग चल रही है। दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों में भी लंबी वेटिंग आ रही है। भोपाल से दिल्ली 12001 शताब्दी एक्सप्रेस में सीटें खाली हैं। इसमें सीसी श्रेणी में 369 और ईसी श्रेणी में 30 से अधिक सीट है। आरकेएमपी से हजरत निजामुद्दीन जाने वाले 20171 वंदे भारत एक्सप्रेस के सीसी श्रेणी में 580 सीट और ईसी श्रेणी में 34 सीट खाली है।

शिवपुरी में प्रस्तावित माधव टाइगर रिजर्व के बाहर बनेगा एयरपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शिवपुरी में माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व बनाने के साथ नजदीक ही एयरपोर्ट भी बनाया जाएगा। केंद्र सरकार ने शिवपुरी में ही इस टाइगर रिजर्व के बाहर एयरपोर्ट बनाने की स्वीकृति भी दे दी है। इससे पर्यटकों के हवाई मार्ग से टाइगर रिजर्व आने में सुविधा होगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों के चलते उनके पिता माधवराव सिंधिया के नाम पर माधव टाइगर रिजर्व मूर्तरूप लेगा तो वहीं यहां आने के लिए पर्यटकों को हवाई सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। बता दें कि सिंधिया यहां से लोकसभा सदस्य भी हैं। शिवपुरी हवाई पट्टी पर एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया (एएआइ) एयरपोर्ट बनाएगा। यहां रीजनल एयर कनेक्टिविटी स्कीम के तहत यात्री विमानों का संचालन होगा। राज्य सरकार के पास शिवपुरी हवाई पट्टी का स्वामित्व रहेगा और बदले में राज्य सरकार को हवाई पट्टी के उपयोग का किराया भी मिलेगा, लेकिन एयरपोर्ट का अधोसंरचना विकास एवं रीजनल एयर कनेक्टिविटी स्कीम के तहत यात्री विमानों का संचालन एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया ही करेगा। वर्तमान में शिवपुरी हवाई पट्टी करीब नौ सौ मीटर लंबी है। बड़े विमानों के उड़ान भरने व लैंडिंग के लिए हवाई पट्टी एयरपोर्ट अथारिटी करीब 1800 मीटर लंबी बनाएगा।

भोपाल में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स ने विश्व एटीसी दिवस मनाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में विश्व एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स (एटीसी) दिवस मनाया गया।राजा भोज एयरपोर्ट पर विशेष कार्यक्रम हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्टेट हैंगर पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स (एटीसीओ) से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और विमानन सुरक्षा में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री यादव ने अपने संबोधन में कहा।की एटीसीओ भले ही पर्दे के पीछे काम करते हैं, लेकिन वे सुरक्षित हवाई यात्रा के आधार स्तंभ हैं। उनकी जिम्मेदारी अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है, जो हर दिन हमारी उड़ानों को सुरक्षित और सुचारू रूप से संचालित करती है। ये विमानन के %अनदेखे नायक% हैं, जिनकी हम सभी को गहरी सराहना करनी चाहिए। उन्होंने पायलटों और एटीसी के बीच मजबूत सहयोग पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राज्य के मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी एटीसी संचालित करने वाले अधिकारियों और पायलटो से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी। विश्व एटीसी दिवस पूरे विश्व में एटीसीओ के योगदान को मान्यता देने और सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। हवाई यातायात का प्रबंधन करने में, लगभग 5 हज़ार एटीसी अधिकारी विभिन्न हवाई अड्डों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्टेट हैंगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान, एटीसीओ के बीच मिठाइयां बांटी गईं। राज्य सरकार के पायलटों ने भी उपस्थित होकर एटीसीओ को शुभकामनाएं दीं।

सुरक्षित दीपावली मनाएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दीप पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित दीपावली मनाएं।

कंपनी ने सभी पटाका व्यवसायियों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। कंपनी के नागरिकों ने अनुरोध किया कि वे पटाखे एवं आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर प्रकाशीय साज-सज्जा के लिए उपभोक्ता अपने परिसर में विद्यमान बिजली कनेक्शन से स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना स्वीकृति के अतिरिक्त भार की वृद्धि एवं सीधे तार डालकर विद्युत अनधिकृत उपयोग नहीं करें। बिजली चोरी अथवा बिना स्वीकृति के संयोजित भार में वृद्धि अवैधानिक है और इसके लिए बिजली अधिनियम 2003 में जुर्माने का प्रावधान है। कंपनी ने मिठाई, मूर्तियां, साज-सज्जा, बर्तन व्यापारी, पटाखों की दुकाने एवं दीपावली पर्व से जुड़ी अन्य सामग्री के विक्रय हेतु लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था हेतु व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर अस्थाई दुकानों की स्थापना, बिजली ट्रांसफार्मरों एवं बिजली की लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाकर ही स्थापित करें ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से बचा जा सके ।

रबी सीजन 2024 के लिए सहकारी समितियों में सुव्यवस्थित उर्वरक वितरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ।01 अक्टूबर 2024 से रबी मौसम प्रारंभ है। रबी मौसम में सहकारी समितियों से सुव्यवस्थित उर्वरक का वितरण सुनिश्चित करने के लिए सभी समिति प्रबंधको को निर्देशित किया जाता है कि प्रतिदिन प्रात: सोसायटी में उपलब्ध उर्वरक का स्टॉक निश्चित स्थान पर अंकित किया जाना सुनिश्चित करें। समितियों से उर्वरक का वितरण निश्चित संख्या में केवल सदस्यों को किया जाता है। अत: उर्वरक उपलब्धता का सही आवंटन किया जाकर समय-सीमा में आवश्यकता अनुसार समय से मार्कफेड को प्रस्तुत किये जाए एवं डबल लॉक केन्द्रों से उर्वरक प्राप्त करने की कार्यवाही करें। उर्वरक वितरण मशीनों से ही किया जाए, तकनीकी समस्या होने पर कॉल सेन्टर नंबर-0755-2542829 अथवा स्टेट लेवल डीबीटी कोडिनेटर नंबर-9425144611 पर व्हाटसएप से अवगत करे। नोटिस बोर्ड पर सूचना लगाकर कर टोकन बांटने की कार्यवाही करें ताकि कृषकों की अनावश्यक कतार न लगें। यदि सोसायटी बंद करते समय भीड़ अधिक हो तो अगले दिवस के लिए दिनांक एवं सरल क्रमांक के साथ टोकन वितरण करें एवं अगले दिन पहले दिन टोकन प्राप्त कृषकों को प्राथामिकता दे। संतुलित उर्वरक उपयोग की सलाह दे। सभी समितियों को फसलवार संतुलित उर्वरक उपयोग के चार्ट उपलब्ध कराये है, उन्हे प्रदर्शित करें एवं आवश्यकता पड़ने पर कृषि विस्तार अधिकारी कृषकों को संतुलित उर्वरक की सलाह दे।

सालाना 4 करोड़ व मुनाफे में जो हिस्सा देगा उसे मिलेगा होटल लेक व्यू अशोका

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। होटल लेक व्यू अशोका की लीज केवल उन्हीं फर्मों, एजेंसियों या होटल संचालन से जुड़ी कंपनियों को दी जाएगी, जो पर्यटन विभाग को हर साल करीब 4 करोड़ रुपए की फिक्स राशि देंगी। साथ ही, मुनाफे में भी ज्यादा हिस्सा दे सके, इसका ध्यान रखा जाएगा। मुनाफे की हिस्सेदारी का प्रतिशत भी तय किया जाएगा और इसे टेंडर की शर्तों में शामिल किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि फिक्स राशि 4 करोड़ के अलावा टेंडर की शर्तों में मुनाफा 3-5त्न तक रखा जाता है, तो जो भी होटल उद्योग से जुड़ी कंपनी इससे अधिक का ऑफर देगी, उसे होटल अशोका का संचालन सौंपा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, होटल अशोका की शर्तें आसपास के निजी होटलों की कमाई के आंकलन पर आधारित हैं। अधिकारियों का मानना है कि जब निजी क्षेत्र के कारोबारी इस होटल को अपने नियंत्रण में लेकर सेवन स्टार श्रेणी में विकसित करेंगे, तो इसका टर्नओवर आसपास के होटलों से डेढ़ गुना बढ़ जाएगा। इसलिए, मुनाफे में हिस्सेदारी बढ़ाने से पर्यटन विभाग भी होटल के संचालन में पूरा सहयोग दे सकेगा। दस समूहों ने दिखाई रुचि = होटल लेक व्यू अशोका को बेचने या लीज पर देने की प्रक्रिया कुछ साल पहले शुरू हुई थी। जब एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) बुलाया गया था। तब राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत अन्य क्षेत्रों के दस बड़े होटल समूहों ने रुचि दिखाई थी। लेकिन उस समय मामला आगे नहीं बढ़ा।

अब फिर से यह प्रक्रिया शुरू हो रही है। हालांकि, वित्त विभाग की मंजूरी के बाद भी बाकी प्रक्रिया में समय लग सकता है। एमपीटी ब्रांड के तहत बेकरी= मध्य प्रदेश का पर्यटन विभाग अब बेकरी व्यवसाय में भी प्रवेश करने जा रहा है। इसकी शुरुआत राजधानी भोपाल के पलाश होटल से होगी। जहां एक बेकरी यूनिट स्थापित की जाएगी। इसे 'एमपीटी' ब्रांड नाम दिया जाएगा। भोपाल के सभी बड़े ब्रांडों की क्वालिटी और कीमत का आकलन करके नया ब्रांड लॉन्च करने की योजना है।

पूरे शहर के बाजारों में सड़क किनारे से हटाया अतिक्रमण, पर 15 दिन में फिर हो गया कब्जा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर में वर्षों पुराने अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम कार्रवाई करता है, लेकिन अगले कुछ दिन में ही स्थिति वापस जस की तस हो जाती है। बता दें कि 6 दिन पहले नवबहार सब्जी मंडी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। अतिक्रमण हटने के बाद सड़क चार गुना चौड़ी हो गई थी। लेकिन, अगले ही दिन से मंडी में वापस अतिक्रमण कर लिया गया। इसके अलावा नगर निगम ने बाजारों से लगभग 20 दिन पहले अतिक्रमण हटाने का विशेष अभियान चलाया था। इसमें 6 विधानसभा क्षेत्रों में अतिक्रमण अमले ने मिलकर कार्रवाई की थी। इस दौरान भोपाल टॉकीज से डीआईजी बंगला, जिंसी चौराहा, शब्बन चौराहा, न्यू मार्केट और एमपी नगर-जोन-2 से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इन सभी 6 विधानसभा क्षेत्र के बाजारों से अतिक्रमण हटे अभी 15 दिन ही हुए हैं और अतिक्रमण के हालात वापस पहले जैसे हो गए हैं। भोपाल टॉकीज से डीआईजी बंगला तक नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने सड़क किनारे से कब्जे हटाते हुए 11 ट्रक सामान जब्त किया था। यहां दोबारा से 100 से ज्यादा हाथ ठेलों ने सड़क किनारे कब्जा जमा लिया है। साथ ही 100 से ज्यादा दुकानें सड़क किनारे टेबल और जमीन पर सामान रखकर बेचने की चलने लगी हैं।

न्यू मार्केट = यहां लगातार नगर निगम अमला अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इसके बावजूद कार्रवाई के अगले दिन अतिक्रमण ने जगह ले ली है। इसमें टॉप एंड टाउन के सामने और अंडरग्राउंड दुकानों के लिए बनी सीढ़ी पर भी दोबारा अतिक्रमण हो गया है। टीटी नगर पोस्ट ऑफिस के सामने ठेले खड़े होने लगे हैं।

नवबहार सब्जी मंडी = यहां पिछले रविवार को नगर निगम अमले ने अतिक्रमण हटाया था । इस दौरान 70 से ज्यादा स्थायी और अस्थायी कब्जे हटाए गए थे। नगर निगम की सख्त कार्रवाई के बाद भी यहां दुकानदारों ने अगले ही दिन अतिक्रमण कर लिया। स्थायी दुकानों के साथ यहां फल सब्जी के हाथ ठेले व दुकानें लगने लगी हैं।

संक्षिप्त समाचार

रुपया शुरुआती कारोबार में 84.07 डॉलर पर स्थिर

मुंबई (एजेंसी)। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर स्थिर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के समर्थन को विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने बेअसर कर दिया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि डॉलर के कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.07 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में स्थिर रहा। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.79 पर रहा।

रेलवे के हर साल गुटखे के दाग साफ करने पर होते हैं 1200 करोड़ खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वच्छ भारत अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के बावजूद कुछ लोगों में सार्वजनिक स्थानों पर थूकने की आदत में बदलाव लाना कठिन साबित हो रहा है। लोग शायद यह नहीं समझते कि इससे कितना नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय रेलवे हर साल पान-गुटखा के दाग साफ करने के लिए करीब 12,000 करोड़ रुपए खर्च करता है। अब रेलवे इससे निपटने के लिए नया प्लान लेकर आई है, जिससे खर्च में कमी आएगी। हालांकि, रेलवे इस समस्या से निपटने के लिए एक नया समाधान लेकर आया है। योजना के तहत स्टेशन परिसर में स्पिटर कियोस्क लगाए जाएंगे, जिन्हें आम जनता उपयोग कर सकेगी। रेलवे देश भर के 42 स्टेशनों में ऐसे कियोस्क लगाने जा रहा है। इन कियोस्क में थूकने के लिए स्पिटून पाउच उपलब्ध होंगे, जिनकी कीमत 5 से 10 रुपए के बीच होगी।

भारत को लगा बड़ा झटका, कॉमनवेल्थ गेस से हटाए गए हॉकी, क्रिकेट जैसे कई खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से पहले ही भारत को बड़ा झटका लगा है। दरअसल ग्लासगो में होने वाले अगले कॉमनवेल्थ गेम्स से 6 खेलों को हटा दिया गया है। इन खेलों में बैडमिंटन, क्रिकेट, हॉकी, स्क्वाश, टेबल टेनिस और रेसलिंग शामिल है। इसके अलावा कुछ और प्रमुख खेलों को भी हटाया गया है जहां भारत के मेडल जीतने की उम्मीदें बढ़ती हैं। पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुए थे। इस दौरान भारत ने 12 खेलों में मेडल जीते थे। अब अगले कॉमनवेल्थ गेम्स में इन 12 में से 6 खेल नहीं होंगे, आर्चरी और निशानेबाजी को बर्मिंघम गेम्स में शामिल नहीं किया गया था। ये खेल ग्लासगो में भी नहीं होंगे। इतने खेलों को हटाने का कारण आर्थिक है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेजबानी सिडनी में होने वाले थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया आर्थिक तंगी को कारण बताकर हाथ पीछे खींच लिया है। आखिरी समय में ग्लासगो आगे आया, हालांकि, उन्होंने भी आर्थिक कारणों के कारण कम खेलों को शामिल करने का प्लान तैयार किया जिसके लिए कॉमनवेल्थ फेडरेशन राजी हो गया है।

शेयर बाजार मे रही गिरावट, सेंसेस 50 अंक फिसला, निटी 24,800 के स्तर पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को अमेरिकी और एशियाई बाजारों के कमजोर प्रदर्शन के बीच मिश्रित रुझान के साथ खुले। शेयर बाजार के खुलते ही 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 46.67 अंक गिरकर 81,105 पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 8 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,789 पर कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र सोमवार को देसी शेयर बाजार बड़े उछाल के साथ खुलने के बावजूद लाल निशान में बंद हुए थे। शेयर बाजार में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में भारी गिरावट और विदेशी निवेशकों के लगातार देसी बाजारों से पैसा निकालने के चलते गिरावट आई। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स कल 73.48 अंक प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,151.27 पर बंद हुआ था। शुरुआत में सेंसेक्स 545 अंक तक चढ़ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं बजाज फाइनेंस, जोमैटो, वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम), इंडस टावर्स, कोफोर्ज, आईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, एम्बर एंटरप्राइजेज इंडिया, चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जुबिलेंट इंग्रेवीया, मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, शॉपर्स स्टॉप, एसआरएफ, यूग्रो कैपिटल, वरुण बेवरेजेज और ज़ेंसार टेक्नोलॉजीज 22 अक्टूबर को अपनी दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। एशिया-पैसिफिक बाजारों ने दिन की शुरुआत मिश्रित रुझानों के साथ की। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक 1.2 प्रतिशत गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी और कोस्डैक में क्रमश: 0.80 प्रतिशत और 1.40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, जापान का निक्की 225 में मामूली बढ़त दर्ज की गई और व्यापक टॉपिक्स सूचकांक लगभग स्थिर रहा। कल रात अमेरिकी शेयर बाजार में डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज और एसएंडपी 500 दोनों में गिरावट आई, ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी के कारण दोनों इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गए। 10 वर्षीय ट्रेजरी का बेंचमार्क यील्ड 4.17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो 12 सप्ताह का उच्चतम स्तर है। इसके परिणामस्वरूप डॉव 0.80 प्रतिशत गिरा, जबकि एसएंडपी 500 में 0.18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सोने के भाव में तेजी, चांदी के भाव में भी बढ़त

इस सप्ताह सोने-चांदी के वायदा भाव में लगातार तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव सोमवार को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे। मंगलवार को सोने के वायदा भाव 78,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 98,050 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में भी सोने चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 366 रुपये की तेजी के साथ 78,307 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 213 रुपये की तेजी के साथ 78,252 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 78,319 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 78,204 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 78,460 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 497 रुपये की तेजी के साथ 97,948 रुपये पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 600 रुपये की तेजी के साथ 98,048 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 98,122 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,945 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 98,598 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में तेजी देखी जाने लगी। कॉमेक्स पर सोना 2,734.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,738.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,744.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.01 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 34.07 डॉलर था। इस समय यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 34.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रबाडा ने एक और बड़ी उपलब्धि किया हासिल

ढाका (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने सोमवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 300 टेस्ट विकेट पूरे कर 12,000 से कम गेंदों में यह मुकाम हासिल करने वाले सबसे तेज गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रबाडा ने यह उपलब्धि मीरपुर के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में प्राप्त की। रबाडा ने दिन के पहले सत्र में मुशफिकुर रहीम को आउट कर वकार यूनिस (12,602 गेंद) और डेल स्टेन (12,605 गेंद) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। रबाडा दक्षिण अफ्रीका के ऐसे छठे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे किए हैं। इस सूची में उनका नाम स्टेन, शॉन पोलक, मखाया एंटिनी, एलन डोनाल्ड और मोर्ने मोर्कल के साथ शामिल हो गया है। भारत के रविचंद्रन अश्विन ने सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जिन्होंने 54 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी, लेकिन रबाडा ने गेंदों के लिहाज से यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनके पास अब तक का 39.3 का स्ट्राइक रेट है, जो 300 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। इस शानदार उपलब्धि के बाद रबाडा ने मैच में 3-26 के आंकड़े के साथ जबरदस्त वापसी की। उनके साथ वियान मुल्डर और केशव महाराज ने भी तीन-तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को पहली पारी में केवल 106 रन पर समेट दिया। इससे पहले, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन डेन पीट और मुल्डर ने शुरुआती झटके देकर बांग्लादेश के फैसले को गलत साबित कर दिया। टीम शुरुआती झटकों से उबरने में नाकाम रही और महज 41 ओवर में ही पूरी टीम ऑल आउट हो गई।

अमेरिकी कंपनी बिसेल ने छह साल बाद भारतीय बाजार में प्रवेश किया

कंपनी ने कहा, भारत भविष्य में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिशिगन, अमेरिका के घरेलू समाधान प्रदाता बिसेल ने छह साल के बाद अपने वैक्यूम क्लीनर्स की श्रंखला के साथ भारत में फिर से प्रवेश किया है। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि यह देश 'भविष्य में एक बहुत महत्वपूर्ण बाजार' होगा। बिसेल के अध्यक्ष (वैश्विक बाजार) मैक्स बिसेल ने बताया, हालांकि भारत वैश्विक स्तर पर फर्श की देखभाल वाले उत्पादों के लिए अपेक्षाकृत छोटा बाजार है, लेकिन इसकी जनसांख्यिकी और बढ़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए यह भविष्य के लिए एक निवेश है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि भारत भविष्य में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार होगा। अगर हम सिर्फ जनसंख्या और हमारे सामने मौजूद अवसरों को देखें, तो यह भविष्य के लिए एक निवेश है।

बिसेल ने भारत में वितरण के लिए कैविटक ग्लोबल कॉमर्स के साथ साझेदारी की है और वह अपने अस्थायी गीले और सूखे वैक्यूम क्लीनिंग सिस्टम जैसे 'स्पॉटक्लीन हाइड्रोस्टीम' और 'स्पॉटक्लीन प्रोहीट' को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो पहले से ही ई-कॉमर्स मंच अमेज़न पर उपलब्ध हैं। बिसेल ने कहा कि यह अगली पीढ़ी के लिए एक निवेश है, जहां हम यह जानते हुए बाजार में प्रवेश कर सकते हैं कि यह बहुत बड़ा नहीं होने वाला है, लेकिन यह वास्तव में ऐसे बीज बोएगा जो भविष्य के लिए पेड़ के रूप में विकसित होंगे।

रणजी मैच खेलना चाहते हैं मोहमद शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी फिटनेस को लेकर चल रही अटकलों को दूर करते हुए कहा कि वह अब पूरी तरह से ठीक हो गए है और आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शमी ने सोमवार को एक कार्यक्रम में अपनी क्रिकेट यात्रा और फिटनेस को लेकर बातचीत की। शमी ने कहा, मुझे अब कोई दर्द नहीं है। मैंने कल नेट्स में पूरे रन-अप से गेंदबाजी की और उससे मैं खुश हूं। इससे पहले मैं आधे रन-अप से गेंदबाजी कर रहा था ताकि ज्यादा दबाव न पड़े। शमी ने यह भी बताया कि उनकी चोट से उबरने का रिहैबिलिटेशन अब ठीक चल रहा है। कुछ दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया था कि शमी के घुटने में सूजन है, जिससे उनके रिहैबिलिटेशन में कुछ समस्याएं आ रही थीं। हालांकि, शमी ने कहा कि वह पूरी कोशिश करेंगे कि वह 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिट रहें। उन्होंने कहा, हर कोई सोच रहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए जा पाऊंगा या नहीं, लेकिन अभी इसमें थोड़ा समय है। शमी ने यह भी बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रणजी ट्रॉफी में अपने राज्य बंगाल के लिए कुछ मैच खेलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में सिर्फ यही है कि मैं पूरी तरह से फिट रहूं और ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए मजबूत रहूं। मुझे पता है कि वहां किस तरह के आक्रमण की जरूरत होगी, और इसके लिए मुझे मैदान पर ज्यादा समय बिताना होगा। शमी, जो पिछले साल की टखने की चोट के कारण अभी तक पूरी तरह से रिकवरी में थे, 19 नवंबर को भारत के वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। अब उनकी नजरें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, जहां भारतीय टीम को उनके अनुभव और कौशल की जरूरत होगी।

दिवाली से पहले पेट्रोल-डीजल के बढ़े भाव

नए भाव के अनुसार महाराष्ट्र में पेट्रोल 46 और डीजल 37 पैसे महंगा हुआ

नई दिल्ली(एजेंसी)। हाल ही में सामने आए रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आगामी दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। इस रिपोर्ट के बाद जनता की उम्मीद और बढ़ गई है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से 21 अक्टूबर 2024 को ईंधन का नया भाव जारी कर दिया गया है। पेट्रोल कंपनियों की ओर से जारी किए गए भाव के अनुसार सरकार ने महाराष्ट्र चुनाव से पहले आम जनता को एक बार फिर झटका दिया है। नए भाव के अनुसार महाराष्ट्र में पेट्रोल 46 और डीजल 37 पैसे महंगा हो गया है। महंगा होने के बाद अब यहां एक लीटर पेट्रोल के लिए 104.83 और डीजल के लिए 93.5 रुपए देना होगा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए और डीजल की कीमत 87.62

रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपए और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपए और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपए और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। वहीं देश के अन्य अन्य प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल का भाव इस प्रकार हैं। नोएडा में0 पेट्रोल 94.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपए प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपए प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपए प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपए प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपए प्रति लीटर है। महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 46 पैसे बढ़कर 104.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल 37 पैसे बढ़कर 93.05 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 33 पैसे बढ़कर 94.70 रुपए प्रति लीटर और डीजल 38 पैसे बढ़कर 87.79 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

दूसरे टेस्ट पर ध्यान देना बहुत जरुरी, भारत वापसी का रखता है दम : लाथम

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने अपनी टीम को याद दिलाया कि पहला मैच जीतने के बाद खुशी में दूसरे टेस्ट पर अपना ध्यान ना भटकने दें, क्योंकि भारत जवाबी हमला करने तैयार है। न्यूजीलैंड टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट में भारत को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है, लेकिन अब उन्हें 24 अक्टूबर से पुणे में होने वाले दूसरे मैच की तैयारी शुरु करनी होगी। न्यूजीलैंड की यह भारत में सिर्फ तीसरी टेस्ट जीत थी। टीम को इस प्रारूप की तीसरी जीत के लिए करीब 36 साल का इंतजार करना पड़ा है। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने भारत को 1988 में जॉन राइट की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम पर 136 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के कप्तान लाथम ने मैच के बाद

कहा कि मुझे लगता है कि 36 साल बाद हमने यहां जीत हासिल की है। यह हमारी टीम के लिए गर्व की बात है और हम इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से जानते हैं कि यह भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक चुनौती होगी, जिनके पास जाहिर तौर पर वापसी करने का दम है। लाथम ने बेंगलुरु टेस्ट के दौरान भारत पर दबाव बनाए रखने के लिए विलियम ओ' राउरकी, मैट हेनरी और टिम साउथी की अपनी तेज गेंदबाजों की तिकड़ी को जीत का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि जब टिम और रचिन क्रीज पर थे तब थोड़ा संतुलित था। मुझे लगता है कि उन्होंने 137 रन बनाए। यह हमारे लिए बहुत बड़ा था।

रणजी ट्राफी : चेतेश्वर पुजारा ने तोड़ा ब्रायन लारा का रिकॉर्ड

अब निशाने पर आए राहुल द्रविड़, सचिन-गावस्कर के रिकॉर्ड

नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेलते हुए सौराष्ट्र के लिए शानदार प्रदर्शन किया और अपना 25वां रणजी ट्रॉफी शतक जड़ा। पुजारा ने 197 गेंदों में यह शतक पूरा किया, जो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका 66वां शतक है। इस उपलब्धि के साथ पुजारा ने महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को पीछे छोड़ दिया, जिनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुल 65 शतक हैं। अब पुजारा के निशाने पर भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ हैं, जिनके नाम 68 शतक दर्ज हैं। पुजारा यदि दो और शतक लगाते हैं, तो वे द्रविड़ की बराबरी कर लेंगे, और तीन शतक लगाकर वे उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शतक बनाने के मामले में पुजारा अब सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, और राहुल द्रविड़ के बाद चौथे स्थान पर हैं। पुजारा ने दिसंबर 2005 में सौराष्ट्र के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और तब से उन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनका घरेलू करियर बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने कई मौकों पर सौराष्ट्र के लिए बड़े रन बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी 2017-18 में, पुजारा ने सिर्फ चार मैचों में 437 रन बनाए थे, और 2019-20 सीजन में उन्होंने अपना 50वां फर्स्ट क्लास शतक लगाया।

भारतीय परिधान निर्यातकों में 9-11 प्रतिशत राजस्व वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय परिधान निर्यातकों को वित्त वर्ष 2024-25 में नौ से 11 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह बात कही। इक्रा ने बयान में कहा कि भारतीय परिधान निर्यात की दीर्घकालिक, अनुकूल संभावनाएं हैं, जिसे अंतिम बाजारों में उत्पाद की बढ़ती स्वीकार्यता, उभरते उपभोक्ता रुझान और उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, निर्यात प्रोत्साहन, ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते आदि के रूप में सरकार से मिले प्रोत्साहन से मदद मिली है। इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में अपेक्षित वृद्धि वित्त वर्ष 2023-24 के कमजोर प्रदर्शन के बाद हुई है। गत वित्त वर्ष में उच्च खुदरा 'इन्वेंट्री', प्रमुख बाजारों से सुस्त मांग, लाल सागर संकट सहित आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों और पड़ोसी देशों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण

निर्यात प्रभावित हुआ था। इक्रा ने कहा कि मांग में सुधार के साथ उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 में पूंजीगत व्यय में वृद्धि होगी। यह कारोबार के पांच से आठ प्रतिशत के दायरे में रह सकता है। इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सह-समूह प्रमुख (कॉर्पोरेट रेटिंग्स) श्रीकुमार कृष्णमूर्ति ने कहा, '' वित्त वर्ष 2023-24 में मामूली (दो प्रतिशत की) गिरावट के बाद, भारतीय परिधान निर्यातकों को वित्त वर्ष 2024-25 में नौ से 11 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करने का अनुमान है। यह विभिन्न ग्राहकों द्वारा अपनाई गई जोखिम-मुक्त करने की रणनीति तथा प्रमुख अंतिम बाजारों खासकर अमेरिका तथा यूरोपीय संघ क्षेत्रों में खुदरा 'इन्वेंट्री' की पुन:पूर्ति से लाभान्वित होगी।

उन्होंने कहा कि फिर भी कमजोर व्यापक आर्थिक माहौल तथा भू-राजनीतिक मुद्दों के बीच कुछ प्रमुख बाजारों में मांग की अनिश्चितता से जुड़ी चुनौतियां कायम हैं। इक्रा ने कहा कि बांग्लादेश में हालिया भू-राजनीतिक तनाव के परिणामस्वरूप भारत सहित देश के बाहर क्षमता में वृद्धि हो सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, फिर भी प्रतिस्पर्धी लागत पर श्रम की उपलब्धता एवं तरजीही शुल्क पहुंच और अमेरिका तथा यूरोपीय संघ को निर्यात पर अगले दो वर्षों के लिए सबसे कम 'विकसित देश' का दर्जा दिए जाने से बांग्लादेश को अधिकतर अन्य विकासशील देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी।

अभिनय और संगीत के साथ भावों के जरिए इंडोनेशिया के कलाकारों ने मंच पर जीवंत की श्रीरामकथा

श्रीराघव प्रयाग घाट पर किया जा रहा सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग की ओर से 20 से 26 अक्टूबर 2024 तक श्रीरामकथा के विविध प्रसंगों की लीला प्रस्तुतियों पर एकाग्र सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन श्रीराघव प्रयाग घाट, नयागाँव चित्रकूट में किया जा रहा है। समारोह में लीला मण्डल रंगरेज कला संस्थान, उज्जैन के कलाकार प्रतिदिन श्रीरामकथा के प्रसंगों की प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इस अवसर पर "श्रीरामराजा सरकार" श्रीराम के छत्तीस गुणों का चित्र कथन प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। समारोह के दूसरे दिन सोमवार को इंडोनेशिया से आए दल ने रामायण बैले "हनुमान दूत के रूप में" की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर श्रीरामकथा के चरितों पर आधारित व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याखानमाला के पहले दिन डॉक्टर श्याम सुंदर दुबे, हटा, दमोह ने श्री अंगद चरित्र पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि श्री राम ने अंगद को रावण के दरबार में अपना दूत बना कर भेजा। राम ने अंगद से कहा कि आप वहाँ जाकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करेंगे।केवल मेरा संदेश रावण तक पहुंचाते हुए उन्हें सुनेंगे। आप के बल-बुद्धि का प्रदर्शन होगा, तो रावण हमारी सेना के बल को जान जाएगा। श्री राम ने अंगद को भेज कर उनके मन में बसे दुःख को भी दूर किया। उत्सव का प्रसारण संस्कृति विभाग के यूट्यूब चैनल पर लाइव किया जा रहा है।

इंडोनेशिया के कलाकारों ने रामायण बैले "हनुमान दूत के रूप में" कथा को प्रस्तुत किया। 45 मिनट की प्रस्तुति में टाकसू आर्ट समूह के 9 कलाकारों ने अभिनय एवं 6 कलाकारों ने संगीत में सहभागिता की। बैले का निर्देशन चोकोरदा पुत्रा ने किया, वे बाली हिन्दू विश्वविद्यालय में लेक्चर भी हैं। चोकोरदा बताते हैं, इस शैली की शुरुआत 1960 में हाई स्कूल ऑफ आर्ट, बाली से हुई थी। बाली में प्रतिदिन चक रामायण पर आधारित नाट्य व अन्य कार्यक्रम होते हैं। प्रतिदिन नेशनल टीवी पर भी इसका प्रसारण होता है। प्रस्तुति की शुरुआत वाद्य संगीत से की गई। सेंड्रातारी मूलतः एक नृत्य-नाट्य है, जिसमें कोई संवाद नहीं होता।

यह नृत्य शैली सबसे पहले सेंट्रल जावा में बनाई गई थी और बाद में यह इंडोनेशिया के कई स्थानों पर की जाती है। नाटिका में दिखाया गया कि श्रीराम अपने छोटे भाई एवं माता सीता के साथ 14 वर्ष का वनवास व्यतीत करने जाते हैं और वनगमन के समय रावण, माता सीता का हरण कर लेता है। माता सीता का पता लगाने के लिए श्रीहनुमान को भेजा जाता। माता सीता को ढूंढते हुए श्रीहनुमान लंका में माता सीता से मिलते हैं और जाते समय लंका की वाटिकाओं को भी नष्ट कर देते हैं। श्रीहनुमान जब लौटकर आते हैं तो श्रीराम से मिले और उन्हें बताया कि माता सीता लंका में हैं। श्रीराम ने श्रीहनुमान को लंका में युद्ध के लिए वानर सेना को ले जाने का आदेश दिया। लंका पहुंचकर श्रीराम ने राजा रावण को लड़ने के लिए चुनौती दी। इस लड़ाई में श्रीराम ने रावण को हरा दिया और पत्नी सीता को बचा लिया।

शिव धनुष टूटने पर क्रोधित हो जाते हैं परशुराम: इसके पश्चात रंगरेज कला संस्थान, उज्जैन के कलाकारों ने ताड़का वध, अहिल्या-उद्धार, वाटिका प्रसंग, धनुष यज्ञ, रावण-बाणासुर संवाद, लक्ष्मण परशुराम संवाद का मंचन किया। राक्षसों से ऋषि-मुनियों की रक्षा के लिए गुरु विश्वामित्र दशरथ के दरबार में पहुंचते हैं। वे राम-लखन को साथ ले जाने की बात कहते हैं। दशरथ के मन में इसे लेकर संशय होता है। तब विश्वामित्र कहते हैं, सुनो अवधेश बेटे तुम्हारे नहीं है ये। ये हैं यज्ञप्रसादी, जिससे उत्पन्न हुए बेटे चार। उन्हीं में से मांगता तुमसे दो बेटे रक्षार्थ। यही है संकल्प तुम्हारा। भगवान राम विश्वामित्र की आज्ञा से ताड़का का वध करते हैं। इसके पश्चात वे अहिल्या का उद्धार करते हैं। प्रस्तुति में आगे दिखाया गया कि भगवान श्रीराम, राजा जनक की नगरी में पहुंचते हैं। यहां वाटिका में पहली बार वे माता सीता को देखते हैं। राजा जनक विश्वामित्र को धनुष यज्ञ के आमंत्रित करते हैं। उनकी मुलाकात दोनों सुकुमारों से होती है। वे उन्हें भी आमंत्रित करते हैं। अगले प्रसंग में दिखाया गया कि स्वयंवर में श्रीराम धनुष तोड़ देते हैं। शिव धनुष टूटने पर वहां परशुराम पहुंच जाते हैं।

क्रोध में वे राजा जनक को ललकारते हुए कहते हैं, क्या तुम्हें ये ज्ञात नहीं है कि मेरी आज्ञा के बिना यूं क्षत्रियों को एकत्रित करना निषेध हैं। शिव धनुष जिसने भी तोड़ा है, वे मेरे सामने आए, अन्यथा मैं सभी का संहार कर दूंगा। उत्सव में 23 अक्टूबर, 2024 को श्री राम-निषादराज मिलन, केवट प्रसंग, दशरथ देवलोक गमन, भरत-कैकेयी संवाद, 24 अक्टूबर, 2024 को मिलाप, सीता हरण, जटायु मरण, शबरी प्रसंग, 25 अक्टूबर, 2024 को श्री राम-हनुमान मिलन, श्री राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध, हनुमान-रावण संवाद, लंका दहन एवं उत्सव के समापन दिवस 26 अक्टूबर, 2024 को सेतुबंध, रामेश्वरम स्थापना, रावण-अंगद संवाद, कुंभकरण, मेघनाथ एवं रावण मरण, श्री राम राज्याभिषेक प्रसंगों को मंचित किए जायेंगे।

जनसुनवाई में 92 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे एवं सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 92 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

राज्यपाल से उप मुख्यमंत्री ने की सौजन्य भेंट

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में किया आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल पटेल को उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री शुक्ल इस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज जो मध्यप्रदेश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक है, इस वर्ष अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हीरक जयंती समारोह मना रहा है।

1964 में स्थापित, रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज ने विंध्य क्षेत्र के तकनीकी शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कॉलेज के पूर्व छात्र आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख पदों पर कार्यरत हैं, जिनमें रक्षा क्षेत्र (सेना, वायुसेना, नौसेना और डीआरडीओ), तेल और गैस क्षेत्र (ओएनजीसी, आईओसी आदि), परमाणु ऊर्जा (बार्क, एनपीसीआईएल), विद्युत क्षेत्र (एनटीपीसी, एनएचपीसी), निर्माण क्षेत्र (भेल, सेल), और शासकीय सेवाओं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, आईईएस) सहित निजी क्षेत्रों के प्रतिष्ठान शामिल हैं। हीरक जयंती समारोह का मुख्य कार्यक्रम 8 से 10 नवंबर 2024 तक आयोजित होगा। यह समारोह कॉलेज के 60 वर्षों की समृद्ध यात्रा और उपलब्धियों का उत्सव होगा, जिसमें अनेक पूर्व छात्र और गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

चोरहटा के समस्त फीडरों की सप्लाई आज प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सतना के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी ने बताया कि 23 अक्टूबर को 132 केव्ही उपकेन्द्र अमरपाटन में 63 एमबीए बीबीएल एक्समर के पोस्ट मानसून हेतु मेंटीनेंस किये जाने का प्रावधान बनाया गया है। जिसमें 33 केव्ही चोरहटा को ऊर्जित करने वाले 33/11 केव्ही उपकेन्द्र चोरहटा से निकलने वाले समस्त 11 केव्ही फीडरों की सप्लाई प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी।

जिले के कृषकों को खरीफ एवं रबी फसलों के लिए अक्टूबर माह का कृषि परामर्श

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि जिले में खरीफएवं रबी फसलों के लिए कृषि परामर्श हेतु अक्टूबर माह के लिए फसलवार सलाह दी गई है। विभाग द्वारा कृषकों को दी सलाह में अरहर में फली भेदक इल्ली के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी., ट्राईजोफॉस 40 ई.सी (1-5-2 मि.ली./ली.), इंडाक्साकार्ब 15.8 ई.सी. (0.5 मि.ली.ली.) या इमामेक्टीन बेन्जोएट 5 एस.जी. (0.3 ग्राम/ली.) की दर से छिड़काव करें या नीम का तेल (0.03 प्रतिशत) 5 मि.ली./लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें। तोरिया के लिए सितंबर में बोई गई तोरियो में बुआई के 25-30 दिनों बाद पहली सिंचाई के बाद 50 किलोग्राम प्रति हैक्टर नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग करें। सरसों की बुवाई हेतु बीज एवं अन्य आदानों की तैयारी कर लें। बुवाई हेतु सरसों की उन्नत प्रजातियां लें। चना के लिए जिन खेतों मे उकटा रोग एवं कॉलर राट का प्रकोप प्रतिवर्ष होता है उन खेतों में चने के स्थान पर अन्य फसलें जैसे गेंहू, अलसी, इत्यादि की बुवाई करें। बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम के मिश्रण से प्रति किलो बीज या वीटावेक्स (कार्बोक्सिन) 2 ग्राम/किलो से उचारित करें। इसके बाद राइजोबियम एवं पी.एस.बी. कल्चर प्रत्येक की 5-7 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। चने की बुवाई ब्रोड बेड फरो या रिज फरो विधि से करें जिससे नमी संरक्षित रहेगी तथा उपज में वृद्धि होगी।

मटर की उन्नत किस्में जैसे आई.पी.एफडी. 10-12, आई.पी.एफडी. 12-2, आई.पी.एफडी. 11-5, का बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम के मिश्रण से प्रति किलो बीज या वीटावेक्स (कार्बोक्सिन) 2 ग्राम/किलो से उचारित करें। इसके उपरान्त राइजोबियम एवं पी.एस.बी. कल्चर प्रत्येक की 5-7 ग्राम मात्रा प्रतिकिलो बीज की दर से उपचारित करें। मसूर की बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम . 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम के मिश्रण से प्रति किलो बीज से उपचारित करें। इसके उपरान्त राइजोबियम एवं पी.एस.बी. कल्चर प्रत्येक 5 ग्राम प्रति किलो की दर से उपचारित करें।

मसूर के उन्नत किस्में जैसे कोटा मसूर, आर.व्ही.एल.-11-6 इत्यादि। गन्ना की शीतकालीन फसल बुवाई की तैयारी करें। क्षेत्र विशेष के अनुसार उचित किश्म का चयन करें एवं बुवाई से पूर्व गन्ने के टुकडों को कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम लीटर पानी के घोल में डुबाकर उपचारित करें। कपास फसल में रसचूसक कीटों एवं डेंडू छेदक इल्ली की समस्या होने पर इसके नियंत्रण के लिए डाईमिथोएट 30 ईसी की दर से प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल से दो बार छिड़काव करें। धान में भूरा माहू के प्रकोप दिखने पर ब्युपरोफेजिन 800 मिली प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। यदि कीट का प्रकोप दिखाई देता है तो डायनेटोफ्युरॉन 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर दोपहर बाद फसल पर छिड़काव करें।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने अंशु के परिजनों को सौंपा चेक

पुलिस के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मानिकपुर में पुलिस कस्टडी में हुई युवक अंशु खगार की मौत के मामले में उसके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए, सपा ने 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री शिव शंकर पटेल, पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ है। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर यह सहायता प्रदान की गई है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल: सपा नेताओं ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और कहा कि वे न्याय की लड़ाई में उनके साथ खड़े रहेंगे। परिजनों ने पुलिस के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। उनका कहना है कि अंशु की मौत पुलिस कस्टडी में हुई है और दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। सपा ने प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस कस्टडी में मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। अखिलेश यादव ने इस घटना पर संज्ञान लेते हुए मदद के निर्देश दिए हैं। पार्टी ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री के विजनरी नेतृत्व में प्रदेश के समग्र विकास को मिल रही है नई दिशा : उप मुख्यमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव विन्ध्य क्षेत्र के विकास में नया अध्याय लिखेगी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ हैं और इसे साकार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) जैसे आयोजन आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं, क्योंकि यह क्षेत्रीय विशेषताओं के आधार पर निवेश संभावनाओं को प्रस्तुत कर औद्योगिक विकास में संतुलन लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में यह पहल प्रदेश के समग्र विकास को एक नई दिशा प्रदान कर रही है। इसका पाँचवां संस्करण 23 अक्टूबर को रीवा में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर और सागर में सफलतापूर्वक कॉन्क्लेव आयोजित किए जा चुके हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा की।

विन्ध्य क्षेत्र निवेशकों के लिए आदर्श गंतव्य: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास के लिए आधुनिक और सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, रेलवे और हवाई मार्ग का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे यह क्षेत्र निवेशकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बन गया है। क्षेत्र में सीमेंट, खनिज और सरप्लस पॉवर जैसी प्राकृतिक संपदाओं की प्रचुरता इसे औद्योगिक गतिविधियों के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती हैं।

4 हज़ार से अधिक निवेशक करा चुके हैं पंजीयन: उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में "ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस", "सिंगल विंडो क्लीयरेंस" और औद्योगिक सहयोगी पहलों से निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। इसी सकारात्मक माहौल के चलते अब तक 4,000 से अधिक निवेशकों ने रीवा में होने वाले इस कॉन्क्लेव के लिए पंजीकरण कराया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में उद्योगों के लिए 9,000 हेक्टेयर से अधिक का भूमि बैंक उपलब्ध है।

एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव आज जिला रोजगार कार्यालय सतना में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 23 अक्टूबर 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला जिला रोजगार कार्यालय सतना में राजेन्द्र नगर गली नम्बर 12-13 में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सभी महिला एवं पुरूष बेरोजगार आवेदक निर्धारित योग्यता पूरी करते है। अपने मूल रिकार्ड के साथ उपस्थित होकर अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है।

इसमें कंपनी आटो मोबाइल सेक्टर अहमदाबाद गुजरात में मशीन आपरेटर पद के लिए 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, कंपनी एसबीआई बैंक सतना, रीवा एवं पन्ना में आरईडीआरई पद के लिए 12वीं/ग्रेजुएशन, कंपनी प्रगतिशील बायोटेक सतना में सेल्स रिप्रेजेंटेटिव पद के लिए 12वीं/ग्रेजुएशन तथा सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर/हाउस कीपिंग पद के लिए 8वीं, 10वीं पास/फेल सुपरवाईजर हेतु 12वीं पास आवेदक रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान आवेदक की उम्र 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आवेदक को अपने साथ बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, वोटर कार्ड, पासपोर्ट साइज के फोटो एवं शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज साथ में लाना अनिवार्य है।

दो दिवसीय सतना-मैहर दौरा पर 26 को आयेगें सीएम, चित्रकूट में अधिकारियों से करेंगे कामतानाथ धाम के विकास को लेकर चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26-27 अक्टूबर को दो दिवसीय सतना और मैहर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान सीएम विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और कई मुद्दों पर अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सीएम डॉ. मोहन यादव 26 अक्टूबर को मैहर जिले के रामनगर क्षेत्र आएंगे। वे यहां बाण सागर के तट पर मार्कण्डेय घाट पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए गए सिरसी टापू में रिसोर्ट का लोकार्पण करेंगे।

मुख्यमंत्री दोपहर बाद चित्रकूट जाएंगे, जहां वे अंतर्राष्ट्रीय रामलीला उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही वे चित्रकूट के विकास संबंधी मुद्दों पर अधिकारियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री रात्रि विश्राम भी चित्रकूट में ही करेंगे।

27 अक्टूबर को सतना आएंगे सीएम: इसके बाद सीएम 27 अक्टूबर को सतना आएंगे और यहां उतैली के सरस्वती आवासीय विद्यापीठ प्रांगण में आयोजित विद्या भारती की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में शिरकत करेंगे। इसके साथ ही वे कुर्मवंशी क्षत्रिय समाज के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल होंगे।

दौरे को लेकर तैयारियां तेज: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दो दिन के प्रवास और चित्रकूट में रात्रि विश्राम को लेकर सतना जिले में प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

इसको लेकर कलेक्टर अनुराग वर्मा और एसपी आशुतोष गुप्ता ने मंगलवार को चित्रकूट पहुंच कर परिक्रमा पथ, कामतानाथ मंदिर और घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट रामायण मेला परिसर में श्रीमद् भागवत कथा के अंतर्गत भागवत रत्न आचार्य नवलेश जी महाराज ने कहा कि हर प्राणी को जीवन में एक बार भागवत कथा अवश्य सुननी चाहिए। उन्होंने बताया कि भागवत केवल भक्ति का ग्रंथ नहीं, बल्कि भूगोल, खगोल और विज्ञान से भी भरा हुआ है।

कथा के दौरान महाराज जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि नंद घर में आनंद का माहौल केवल यशोदा के आंगन तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरे ब्रज में एक अद्भुत उल्लास की लहर दौड़ पड़ी थी। उन्होंने कहा, "भगवान ने केवल माखन चोरी नहीं की, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाई।"

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।